आज का सुविचार

वे कभी अकेले नहीं रहते, जिनके श्रेष्ठ विचार रहते है ।

सर फिलिप सिडनी

दैनिक

इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

| आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM |

वर्ष-4 अंक-327 भोपाल, गुरुवार 07 अक्टूबर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-3 रुपए

पंचांग

आश्विन कृष्णा पंचमी, गुरुवार 22 विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:14/6:04
वर्षा/बादल %	06 %
नमी %	54 %
वायु (किमी/घं.)	8
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	33°/23°

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तौला

₹ 48,200

शेयर सूचकांक

बीएसई	59189.73	-555.15
निफ्टी	17646.00	-176.30

त्योहार से पहले महंगाई की मार : घरेलू रसोई गैस सिलेंडर 15 रुपए महंगा हुआ, पेट्रोल के दाम 30 पैसे और डीजल के 35 पैसे प्रति लीटर बढ़े

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

त्योहारों से पहले आम आदमी को महंगाई का एक और झटका लगा है। घरेलू LPG सिलेंडर की कीमत फिर बढ़ गई है। तेल कंपनियों ने बिना सब्सिडी वाले 14.2 किलोग्राम वाले गैस सिलेंडर के दाम 15 रुपए बढ़ा दिए हैं।

दिल्ली में रसोई गैस सिलेंडर 899.50 रुपए का हुआ

इस बढ़ोतरी के बाद अब राजधानी दिल्ली में रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 884.50 रुपए से बढ़कर 899.50 रुपए प्रति सिलेंडर हो गई है। वहीं 5 किलो वाला सिलेंडर अब 502 रुपए में मिलेगा। तेल कंपनियों ने एक अक्टूबर को 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 43.5 रुपए प्रति सिलेंडर तक बढ़ाए थे।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी इजाफा: - पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी इजाफा हुआ है। दिल्ली में आज पेट्रोल के दाम में 30 पैसे और डीजल के दाम में 35 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। इसके बाद यहां पेट्रोल 102.94 और डीजल 91.42 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। इस महीने 5वीं बार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हैं। देश के 26 राज्यों में पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर के पार निकल गया है।

CNG-PNG की भी कीमत बढ़ी

नेचुरल गैस के दाम बढ़ने से CNG, PNG और रसोई गैस की कीमतों में इजाफा हुआ है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने दिल्ली-हृष्टक्र में ष्टहृत्र के भाव 2.55 रुपए प्रति किलो तक बढ़ाए हैं। वहीं, PNG की कीमत में 2.10 रुपए प्रति घन मीटर का इजाफा किया है।

इस साल अब तक पेट्रोल 19.03 और डीजल 17.36 रुपए तक महंगा हुआ

इस साल 1 जनवरी को पेट्रोल 83.97 और डीजल 74.12 रुपए प्रति लीटर था। अब यह 102.94 और 91.42 रुपए प्रति लीटर पर है। यानी 9 महीने से भी कम में पेट्रोल 19.03 और डीजल 17.36 रुपए तक महंगा हुआ है।

26 राज्यों में पेट्रोल और 6 राज्यों में डीजल 100 के पार

देश के 26 राज्यों में पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, आंध्र प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मणिपुर, नागालैंड, पुडुचेरी, तेलंगाना, पंजाब, सिक्किम, ओडिशा, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और राजस्थान के सभी जिलों में पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर के ऊपर है। वहीं उत्तर प्रदेश, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल और उत्तराखंड में भी कई जगहों पर पेट्रोल 100 रुपए लीटर के पार है। वहीं डीजल की बात करें तो मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, तेलंगाना और राजस्थान में कई जगहों पर ये अभी भी 100 रुपए प्रति लीटर के ऊपर है।

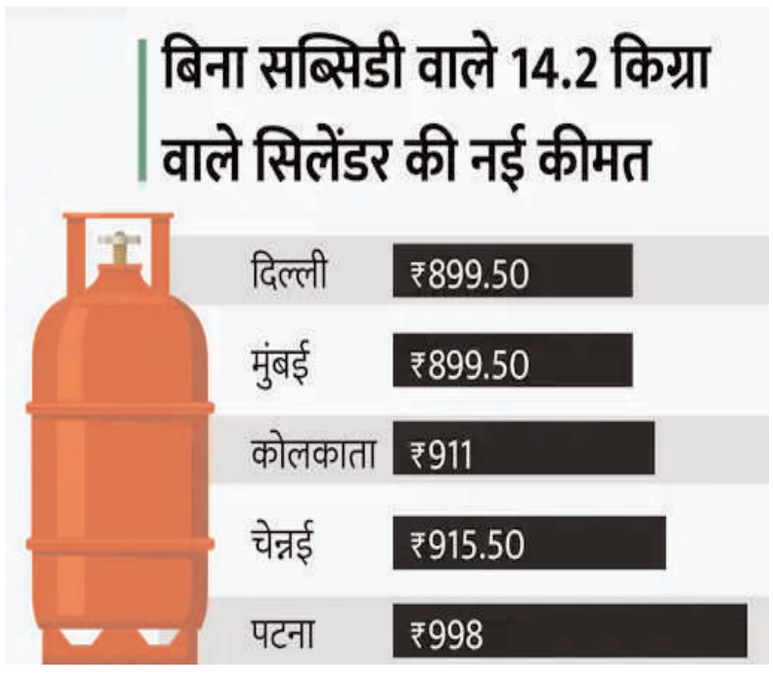

कश्मीरी पंडित की बेटी की हुंकार :आतंकियों को चुनौती देते हुए सीना ठोककर कहा-

हिम्मत हो तो सामने आओ, जिसको उसने पैदा किया है वो मैं हूं, अपने बाप की बेटी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों ने कश्मीरी पंडितों को फिर निशाना बनाना शुरू कर दिया। मंगलवार को श्रीनगर के इकबाल पार्क इलाके के प्रतिष्ठित केमिस्ट माखनलाल बिंद्रू की हत्या कर दी गई। आतंकियों ने उन्हें मेडिकल स्टोर में घुसकर गोली मारी। बुधवार को उनकी बेटी डॉक्टर श्रद्धा बिंद्रू ने आतंकियों को बहस करने की चुनौती दी है। डॉ. श्रद्धा ने कहा कि वो अपने कश्मीरी पंडित पिता की बेटी हैं। आतंकियों में अगर हिम्मत है तो वो उनके सामने आएं और बहस करें। 68 साल के जिस कश्मीरी पंडित केमिस्ट को आतंकियों ने गोली मारी, वह उन चुनिंदा लोगों में थे, जिन्होंने 90 के दशक में भी कश्मीर नहीं छोड़ा था। मेरे पिता बहुत मेहनती थे। अपने काम के शुरुआती दिनों में वे साइकिल से जाते थे। उन्होंने मुझे और मेरे भाई को पढ़ाया। मेरा भाई यहां का फेमस डायबिटोलॉजिस्ट (मुधमेह का डॉक्टर) है। मैं एसोसिएट प्रोफेसर हूं। मेरी मां महिला होते हुए हमारी मेडिकल संभालती हैं। इससे ही समझ सकते हैं कि मेरे पिता का हौसला कितना बुलंद है। ये सब उनके जज्बे का ही नतीजा है। आतंकी मेरे पिता के शरीर

को तो खत्म कर सकते हैं, लेकिन उनकी आत्मा हमेशा अमर रहेगी। जिसने भी मेरे पिता को गोली मारी है, उसे चुनौती देती हूं। वह सामने आए और मुझसे बहस करे। नहीं कर पाएगा, क्योंकि आतंकी सिर्फ पीठ पीछे ही गोली मार सकते हैं। मैं अपने पिता की बेटी हूं, औकात है तो आओ मेरे सामने और मुझसे बात करो। हिंदू होने के बाद भी मैंने कुरान पढ़ी है। कुरान कहती है- शरीर तो एक चोला है, जिसे बदला जा सकता है, लेकिन किसी के जज्बे को कभी खत्म नहीं किया जा सकता। माखनलाल बिंद्रू की आत्मा हमेशा अमर रहेगी।

आतंक के चरम में भी लोगों ने बिंद्रू की दुकान बंद नहीं होने दी

माखनलाल बिंद्रू श्रीनगर के प्रमुख केमिस्ट थे। उनका परिवार तीन पीढ़ियों से श्रीनगर में दवाओं का कारोबार करता आया है। जब 1990 में आतंकवाद चरम पर था, तब भी बिंद्रू अपना घर छोड़कर नहीं गए। श्रीनगर में दशकों से यह बात मशहूर है कि जो दवा कहीं नहीं मिलेगी, बिंद्रू की दुकान पर मिलेगी। लोगों को उन पर इसलिए भी भरोसा था कि वे नकली दवाओं के खिलाफ लगातार बोलते रहते थे। रघुनाथ मंदिर के पास हरि सिंह हाई स्ट्रीट पर उनकी दुकान पर हमेशा भीड़ रहती है। बिंद्रू को जानने वाले बशारत अहमद कहते हैं- आज कश्मीर ने असल बेटा खोया है। श्रीनगर के दानिश कहते हैं- मेरी मां हमेशा कहती थीं, असली दवाएं सिर्फ बिंद्रू की दुकान पर मिलती हैं।

बिहार के फेरीवाले, टैक्सी यूनियन के अध्यक्ष की भी हत्या:- बिंद्रू पर हमले के एक घंटे बाद अवंतीपोरा के हवला इलाके में आतंकियों ने बिहार के वीरेंद्र पासवान को मार डाला। वीरेंद्र भेलपूरी और गोलगप्पे का ठेला लगाते थे।

जियो के ग्राहक हुए परेशान

8 घंटे बाद जियो के नेटवर्क की समस्या सुलझी, सुबह 9 बजे बंद हुई थी सर्विस

» अब कॉल और इंटरनेट का यूज कर पा रहे ग्राहक

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

रिलायंस जियो का नेटवर्क वापस आ गया है। नेटवर्क को लेकर बुधवार सुबह करीब 9 बजे से दिक्कतें आ रही थी, जो अब ठीक हो गई है। नेटवर्क डाउन के दौरान जियो के ग्राहक 8 घंटे तक परेशान हुए। ग्राहक ना तो कॉल कर पा रहे थे और ना ही इंटरनेट एक्सेस कर पा रहे थे। कंपनी से जुड़े सूत्रों ने बताया था कि जियो की सर्विस पूरे देश में बाधित नहीं हुई थी। केवल कुछ राज्यों में जियो की सर्विस डाउन हुई थी है।

देश के अलग-अलग हिस्सों से जियो के नेटवर्क में दिक्कतों की शिकायतें आईं। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक जैसे राज्यों के लोग ज्यादा परेशान हो हुए। जियो के नेटवर्क में आई इन दिक्कतों के बाद ट्विटर पर कुछ ही मिनटों में #jiodown ट्रेंड करने लगा।

रावण के निधन से दुखी हैं राम : अरुण गोविल बोले- अरविंद त्रिवेदी से पहली बार सेट पर मिला था; मैंने कहा- मेरठ से हूं, तो बोले- तुम अपने जीजा का वध करोगे

नई दिल्ली। टीवी पर रावण के किरदार से चर्चित हुए अभिनेता अरविंद त्रिवेदी के निधन पर राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल दुखी हैं। पर्दे पर भले ये दोनों किरदार विरोधी थे, मगर असल जिंदगी में दोनों बेहतरीन मित्र थे। अरविंद त्रिवेदी के निधन से दुखी अरुण गोविल ने दैनिक भास्कर से बातचीत में एक सच्चे मित्र को खोने का दुख साझा करते हुए कहा, सबसे अच्छा दोस्त चला गया। अरुण गोविल बोले, सुबह उनके जाने की खबर मिली, बहुत दुखी हूं। 10 दिन पहले हमारी फोन पर बात हुई थी। तब उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। मैंने उनका हालचाल पूछा। थोड़ा बोल रहे थे। उस दिन उनकी बात से मुझे ऐसा लगा कि उन्हें शायद अपने अंतिम क्षणों का आभास हो चुका था। आज ये दुख की खबर आ गई। अरुण कहते हैं, अरविंद जी भले रावण के किरदार में रहे, मगर जीवन सादा और सच्चा और धार्मिक ही रहा। उनके जितना अच्छा और पॉजिटिव इंसान हो ही नहीं सकता।

लखीमपुर खीरी पर सियासी जंग तेज : नेताओं के बीच बयानों के बाण; कांग्रेस ने उठाए पोस्टमॉर्टम पर सवाल तो संबित पात्रा ने कहा डॉक्टर नहीं हैं राहुल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश चुनाव से पहले लखीमपुर खीरी में सियासी जंग तेज हो गई है। राहुल लखनऊ एयरपोर्ट पर धरना देने के बाद लखीमपुर खीरी के लिए निकल चुके हैं। काफी आनाकानी के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने राहुल और प्रियंका गांधी

को लखीमपुर खीरी जाने की इजाजत दी। उधर, दिल्ली में विवाद में फंसे केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र गृह मंत्री अमित शाह से मिलने पहुंचे, लेकिन बुधवार को इससे पहले पक्ष और विपक्ष के बीच बयानों के बाण चले। सबसे पहले राहुल गांधी, फिर उत्तर प्रदेश के प्रवक्ता और कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह, BJP प्रवक्ता संबित पात्रा और उसके बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तरफ से बयानबाजी हुई।

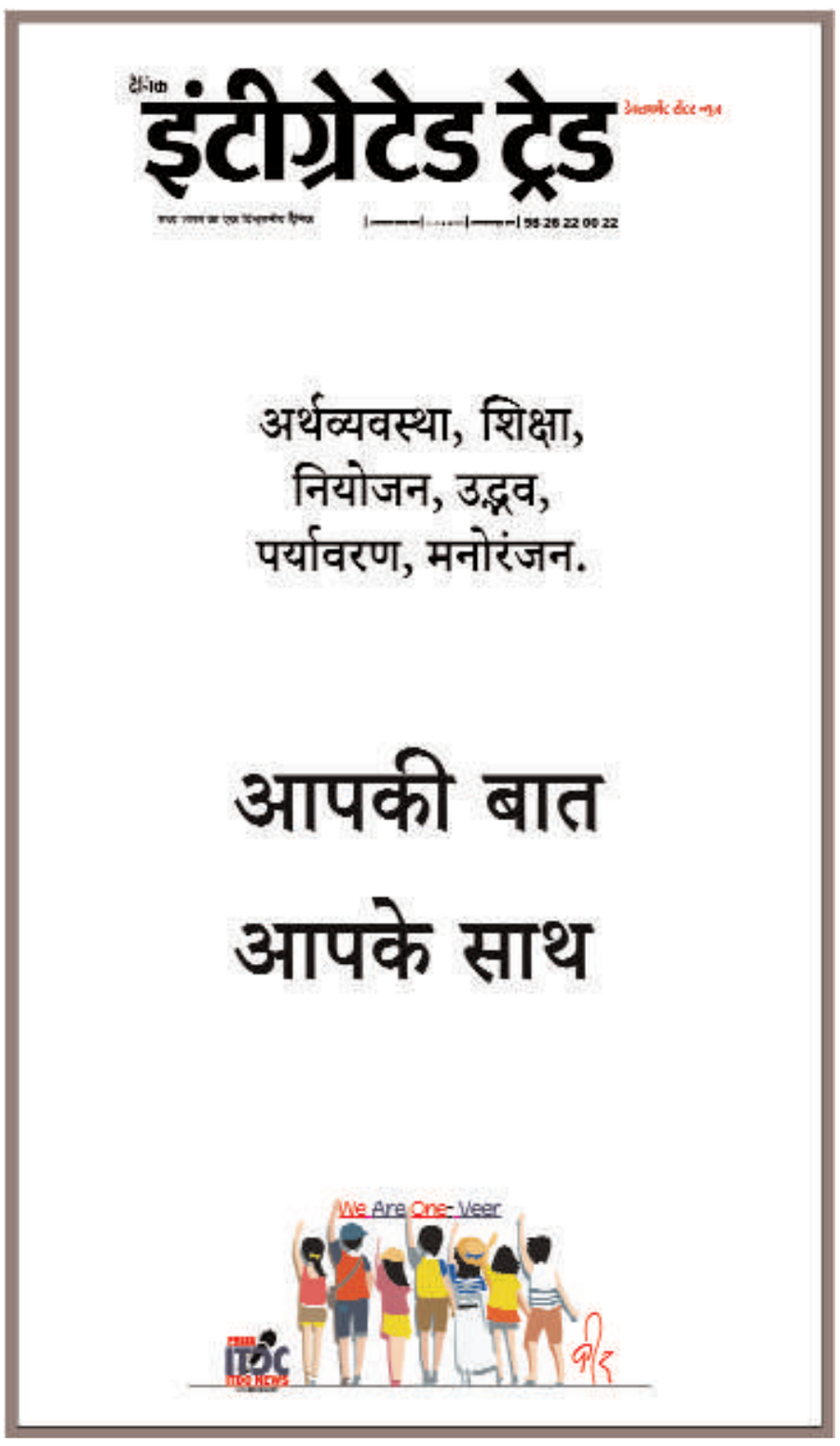

कैबिनेट मीटिंग : रेलकर्मियों को मिलेगा 78 दिन का बोनस, देशभर में बनेंगे सात मेगा टेक्सटाइल पार्क

» सरकार ने लगाई PM मित्र स्कीम पर मुहर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सरकार ने रेल कर्मियों और कपड़ा उद्योग के लिए दो बड़े ऐलान किए हैं। उसने नॉन गजेटेड रेल कर्मियों को 78 दिन का बोनस देने का फैसला किया है। इसके अलावा कपड़ा उद्योग के लिए पीएम मित्र योजना पर मुहर लगा दी है। सरकार ने जो परफॉर्मेंस लिंक्ड बोनस देने का ऐलान किया है उसका लाभ 11,56,000 से ज्यादा रेल कर्मियों को मिलेगा। इसके लिए सरकार कुल 1,985 करोड़ रुपए खर्च करेगी। यह जानकारी केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने दी है।

मित्र योजना पर पांच साल में 4,445 करोड़ रुपए खर्च होंगे

सरकार ने कपड़ा उद्योग के लिए पीएम मित्र योजना पर मुहर लगा दी है। इस योजना पर पांच साल में 4,445 करोड़ रुपए खर्च होंगे। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि मित्र स्कीम के तहत सात मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल पार्क बनेंगे। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल पार्क के लिए अब तक 10 राज्यों ने दिलचस्पी दिखाई है। उन्होंने कहा कि ये पार्क टेक्सटाइल और गारमेंट इंडस्ट्री की ग्रोथ में बड़ा योगदान करेंगे।

ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड साइट पर बनाए जाएंगे मित्र पार्क

गोयल ने कहा कि मित्र पार्क नई जगह (ग्रीनफील्ड) और पहले से डेवलप साइट (ब्राउनफील्ड) पर बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सरकार सभी नए पार्कों के लिए 500 करोड़ और ब्राउनफील्ड के लिए 200 करोड़ रुपए की मदद देगी। गोयल ने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग यूनिट की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए सभी पार्कों को 300 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। मित्र पार्कों को स्पेशल पर्पज व्हीकल यानी खास मकसद से बनाई जाने वाली कंपनी के जरिए डेवलप किया जाएगा। इसमें केंद्र और राज्य सरकारों की हिस्सेदारी होगी और यह प्राइवेट सेक्टर के साथ मिलकर काम करेगी। यह इकोनॉमी ऑफ स्केल के जरिए (प्रॉडक्शन बढ़ाते हुए लागत घटाकर) टेक्सटाइल कंपनियों को ग्लोबल चैंपियन बनने में मदद करेगी। गोयल ने कहा कि कपड़ा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कुल सात अहम फैसले लिए थे।

आईटीडीसी
Classifieds
वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

प्लाट बेचना है 1000 स्क्व्यर फीट स्वदेश नगर थाना अशोका गार्डन के पीछे भोपाल कांटेक्ट नंबर- 9893962422, 7000859059

Prime property sale at polytechnic Square 8000 Sqfeet arera colony 11000 Sqfeet Corner chunabhatti 18000 Sqfeet plot main road & 4000 Sq feet Belding corner please contact 7987423633

बेचना है जंहागीराबाद की प्राइम लोकेशन पर रम्भा सिनेमा के पास 1230 sqft प्लाट पे 2 मंजिला मकान 10 कमरों के साथ मात्र 53 लाख मे संपर्क करें 7835920099

तुरंत बेचना है 18 लाख मे 2 BHK घर, कवर्ड कैंपस ग्लेक्सी सिटी अवधपुरी में, हबीबगंज रेल्वे स्टेशन 6.5 K M दुरी संपर्क, 8889911680,7611127324 ,7611106304

डुप्लेक्स मकान बेचना एसओएस बालग्राम वाली मैनरोड पर शिवलोक फेस-4 के पास कवर्ड कैंपस कॉलोनी में नया बना कीमत मात्र 30 लाख संपर्क 626444558, 6266978675.

बेचना है, डीप फ्रिज़र (वोल्टाज) ब्रांड न्यू 3 महीने पुराने, 500 ली. केपेसीटी (7 नग) रूपये 25000/- प्रति नग सम्पर्क 7000735468

For Immediate sale 2 BHK + furnished flat, vitrified tiles, modular kitchen, wardrobe, CCTV camera, parking, secured campus, Vardhman Green Park Ashoka garden call 9425028873

प्रोपर्टी खरीदना है भोपाल नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत प्लाट 1500-3000 Sqft, की ऑफिस चाहिये, 9451371422, 9329334701

5BHK + 3 Caqr parkings B1/501 (Brand new flat) For sale- Paras Urbane Park Bawadia kala (2Km from aura Mall)- (Saparate Servant Entry) 9893262222

5000 वर्गफीट का फार्महाउस बेचना फॉरचून लैंडमार्क मिसरोद से 2 किलोमीटर दूरी पर 30 फिट सीमेंट रोड पर कीमत 800 वर्गफीट 9174029757, 9340628575

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

With 2AC, 2 bhk fully furnished in Rohit Nagar Rent 14500/- Contact@ 8962643902, 8965979432.

1st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

किराये से देना शॉप 670 स्क्वायर फीट शॉप नंबर-42 ग्राउंड फ्लोर की आकृति बिजनेस सेंटर, रोहित नगर मेन रोड, बावड़िया कला भोपाल मो 9993418989, 7000155290

किराये से देना है, MIG-198, इन्दीरा नगर (मकोडिया आम) आगर रोड, उज्जैन 1 BHK, लेटबाथ, सम्पूर्ण मकान खुला हुआ है 7000735468

For Rent Available 10no. main market, Arera colony, near SBL Main Road Front Ground Floor Showroom 756sqft Contact – 9893022224

2BHK फर्निश्ड ग्राउंड फ्लोर. किराये से देना है कवर्ड कैंपस वर्धमान ग्रीन पार्क कॉलोनी अशोका गार्डन 24घंटे पानी. पार्किंग सर्वसुबिधायुक्त, फैमिली को प्राथमिकता 9826225200

3BHK Semi furnished Corner flat for rent in E-8 Ext. Bawadia kalan Near aura mall secured campus with all morden amenities 9826974630

To-Let 2 BHK semi furnished flat at 5th floor 24 hrs security at mahadev Aparthment opp board office MP nagar Rent- 23000 Contact 8889996171

98 Rohit Nagar – 1, Big 2BHK ground floor of independent house with 24hrs water for service class , pure vegetarian family only. Contact – 9620020829, 9827328523

Tolet मैंन अयोध्या बाईपास रोड पर रिंगाल ट्रेजर के पास 3200 वर्गफुट कमर्शियल स्पेस रेस्टोरेंट, बैंक ऑफिस, शोरूम, कोचिंग 9993902345,9425008604

ITDC JOB आवश्यकता

Work from home part/full time work opportunity. Work (3-4), Students, Job person, housewives, businessman can apply. For more details call 9039890418, 9109793667

Urgently Requirement in Green Land Survey Sultaniya Road Kohefiza Bhopal. Work in Autocad Software 2D (Female), Total Station & DGPS Operator, Tally Calling (Female) Mob. 8435999875 (Mohammad Zeeshan)

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLANCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC JOB आवश्यकता

आवश्यकता है दुकान पर कार्य करने हेतु लड़के / लड़कियों की जो की दुकान पर से सेल्स कार्य कर सके वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क – 9303130069, 9827494909

Urgent required Female Office Assistant, (Graduate) office in Maharana Pratap Nagar, Knowledge of computer (Excle) is must. Salary 8000/- Forward Biodata, Mobile:9111930111.

आवश्कता है सेल्समेन एवं मार्केटिंग मेनेजर की अनुभवी को प्राथमिकता स्वयं का दोपहिया आवश्यक, एवरेस्ट रिसोसेंज , होटल वाव, अयोध्या बायपास भोपाल संपर्क - 9206669999, 9425009983

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क D K 3 / 1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रु पेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale:
Inside Complex,
10x11 fts,
ground floor,
DIG Bungalow,
Berasia Road,
Mb. 7000831264, 9752705333

To let Shop:
Inside Complex,
10x14 fts,
ground floor
Arera Colony,
10 No Market
Bhopal
Mb. 7000831264, 9752705333

BOOK YOUR TICKET IN
60 SECONDS JUST CLICK
AIR
TRAIN
BUS
www.bookmyticketonline.in

ITDC Saturday VACANCIES

खबर की खबर
मुख्यमंत्री चौहान ने प्रधानमंत्री मोदी का जताया आभार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मध्य प्रदेश के हरदा जिले में जनकल्याण और सुराज अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में स्वामित्व योजना का शुभारम्भ कर 19 जिलों के 3000 ग्रामों में एक लाख 71 हजार हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख का वितरण और संवाद किया। इसके लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री का आभार जताया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पीएम स्वामित्व योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश के 1.71 लाख हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख का वर्चुअल वितरण एवं संवाद कर हमारा जो मनोबल बढ़ाया है, उसके लिए मैं अपनी और प्रदेश के 8 करोड़ नागरिकों की ओर से आपके प्रति आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रेरणादायी शब्दों से हमारा उत्साह और मनोबल बढ़ा है। आपके नेतृत्व में हम विकास एवं जनहितकारी कार्यों के माध्यम से प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाकर भारत के नवनिर्माण में हरसंभव योगदान देने के लिए कटिबद्ध हैं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री चौहान ने कृषि मंत्री कमल पटेल, राजस्व मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, वन मंत्री डा. विजय शाह एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ सौर ऊर्जा से रोशन हरदा जिले की 380 आंगनबाड़ियों का ई-लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की गरिमामय वर्चुअल उपस्थिति में हरदा स्वामित्व योजना के अंतर्गत आबादी भूमि के अधिकार अभिलेख का वितरण कार्यक्रम में भाग लिया एवं सौर ऊर्जा से रोशन हरदा की 380 आंगनबाड़ियों का ई-लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी 13 साल तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे और उन्होंने वहां की तस्वीर बदल दी और अब लगभग 7 साल से प्रधानमंत्री रहते हुए एक वैभवशाली, गौरवशाली, शक्तिशाली भारत का निर्माण कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के जमाने में हरदा का किसान सिंचाई के जल के लिए तरसता था और अब 85 फीसदी से अधिक सिंचित भूमि है, जो शीघ्र ही 100 फीसदी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने उज्ज्वला योजना, आवास, आयुष्मान भारत, पीएम स्वनिधि, फसल बीमा योजना जैसी अनेक कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम गरीबों के जीवन को सरल बनाया।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने मध्य प्रदेश की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि एमपी गजब तो है ही, इसमें विकास करने की ललक भी है। केंद्र की कोई योजना बनते ही उसे जमीन पर उतारने के लिए मध्यप्रदेश में दिनरात एक कर दिया जाता है, यह देखकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता होती है। स्वामित्व योजना के हितग्राही डिजीलॉकर ऐप के माध्यम से अपना प्रॉपर्टी कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। मध्यप्रदेश जिस तेजी से काम कर रहा है, उसके कारण प्रदेश में सभी ग्रामीणों को उनका अधिकार अभिलेख शीघ्र मिल जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह कहा जाता है कि जिस देश के नागरिक के पास उसकी प्रॉपर्टी के कागज नहीं होते हैं, उसकी वित्तीय क्षमता बहुत कम होती है। पीएम स्वामित्व योजना हमारे गांव के भाई-बहनों की बहुत बड़ी ताकत बनने जा रही है। मध्यप्रदेश डिजिटाइजेशन में देश का अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। योजनाओं के क्रियान्वयन से लेकर रिकॉर्ड के रखरखाव में भी मध्यप्रदेश उत्कृष्ट कार्य कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया

मुख्यमंत्री चौहान ने हरदा के नेहरू स्टेडियम में विकास कार्यों पर केन्द्रित फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया। फोटो प्रदर्शनी में स्वामित्व योजना की चरणबद्ध प्रक्रिया की गतिविधियों का बखूबी प्रदर्शन किया गया। साथ ही प्रदर्शनी में हरदा जिले के दर्शनीय एवं पुरातात्विक महत्व के पर्यटन स्थलों, शत-प्रतिशत कोविड वैक्सीनेशन के लिए किए गए प्रयासों, एक जिला-एक उत्पाद के तहत बाँस उत्पादन और बाँस से बने उत्पादों के आकर्षक फोटो प्रदर्शित किए गए। प्रदर्शनी में हरदा जिले में ड्यूरम गेहूँ उत्पादन, गेहूँ से बने उत्पाद, मूंग उत्पादन, अतिवर्षा के दौरान हरदा में चलाए गए रेस्क्यू ऑपरेशन, आँगनवाड़ियों में लगे सोलर लाइट और पंखे भी प्रदर्शित किए गए। मुख्यमंत्री ने हरदा प्रशासन द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की।

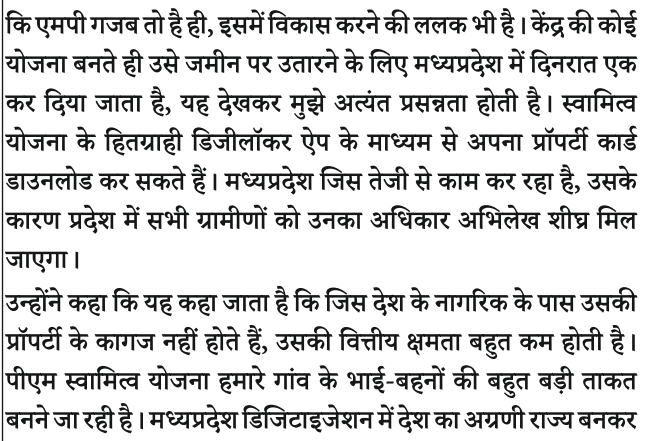

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, **स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस** ने साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवा कर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित किया। संपादक- राधिका वीरेंद्र*
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।

न्यूज ब्रीफ

टीके-दवाएं पहुंचाने के लिए ड्रोन का परीक्षण

नई दिल्ली। पिछले महीने धूप से खिले सप्ताहांत में तेलंगाना के विकाराबाद जिले के निवासियों ने एक असामान्य नजारा देखा। पुलिस परेड ग्राउंड और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र के बीच ड्रोन की तीन किलोमीटर दूरी की उड़ान। इस उड़ान का उद्देश्य इस बात का आकलन करना था कि जीवन रक्षक रक्त, टीकों और दवाओं को अधिक तेजी तथा दूरदराज के इलाकों तक कैसे पहुंचाया जा सकता है। यह तेलंगाना की %आकाश से दवा% परियोजना के लिए ड्रोन का %बियॉन्ड विजुअल लाइन ऑफ विजन% (बीवीएलओएस) परीक्षण था। इसमें हैदराबाद से 75 किलोमीटर दूर विकाराबाद जिले के चिह्नित हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल किया गया था और 400 मीटर की ऊंचाई पर उडने वाले ड्रोन के जरिये सफलतापूर्वक टीके जैसी महत्त्वपूर्ण चिकित्सा आपूर्ति की गई थी। बलू डार्ट मेड एक्सप्रेस कन्सोर्टियम के साथ परीक्षण करने वाली ड्रोन-प्रौद्योगिकी की स्टार्टअप स्काई एयर मोबिलिटी के सह-संस्थापक स्वप्निक जक्कमपुडी ने कहा, %महत्त्वपूर्ण चिकित्सा आपूर्ति की पहुंच के साथ ड्रोन ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में परिवर्तनकारी बदलाव ला सकते हैं।% स्काई एयर के ड्रोन ने 1.5 किलोग्राम वजन के टीकों की डिलिवरी सात मिनट के भीतर तीन किलोमीटर दूर तक कर दी। यह परीक्षण दो से आठ डिग्री सेल्सियस बनाए रखने वाले अत्याधुनिक तापमान नियंत्रित डिब्बों का इस्तेमाल करते हुए किया गया था। इसके अलावा पैकेज की सुरक्षित डिलिवरी सुनिश्चित करने के लिए लाइव पेलोड हेल्थ ट्रैकिंग को सक्षम किया गया था। इन परीक्षणों में नियंत्रण केंद्र के जरिये दूर से संचालित मानव रहित उड़ानें हुईं। ब्लू डार्ट के प्रबंध निदेशक, बालफोर मैनुअल ने कहा, %कोविड -19 के खिलाफ हमारी जंग उन नई चुनौतियों से निपटने के लिए जारी है, जिनमें तत्काल समाधान की आवश्यकता होती है।% उन्होंने कहा, %इस वैश्विक महामारी ने हम में से प्रत्येक व्यक्ति को लॉजिस्टिक के महत्त्व और तकनीक आधारित आपूर्ति शृंखला वाले बुनियादी ढांचे की आवश्यकता के बारे में सिखाया है।

पैंडोरा लीक:सचिन तेंदुलकर समेत पॉप सिंगर शकीरा और पॉलिटिशियन टोनी ब्लेयर का पेपर्स में नाम, लिस्ट में भारत के चार नेता भी शामिल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

खोजी पत्रकारों की एक अंतरराष्ट्रीय संस्था ने कुछ ऐसी रिपोट्र्स जारी की हैं, जिनके मुताबिक दुनिया की कई जानी-मानी हस्तियों ने विदेश में निवेश किए तो हैं, लेकिन उनकी पूरी जानकारी सरकारी एजेंसियों को नहीं दी है। 3 अक्टूबर को जारी संस्था की रिपोट्र्स में पीएनबी घोटाले के आरोपी नीरव मोदी की बहन पूर्वी मोदी, क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर, पॉप सिंगर शकीरा और पॉलिटिशियन टोनी ब्लेयर सहित सैकड़ों दिग्गजों के नाम शामिल हैं।

पैंडोरा पेपर्स में लाखों करोड़ डॉलर की संपत्तियों का जिक्र:- इंटरनेशनल कंसॉर्टियम ऑफ इनवेस्टिगेटिव जर्नलिस्ट्स की रिपोट्र्स को पैंडोरा पेपर्स का नाम दिया जा रहा है क्योंकि इनमें समाज के कुलीन वर्ग के लोगों के अलावा भ्रष्टाचारियों के कथित रूप से विदेश में चोरी-छुपे किए गए सौदों का जिक्र है। रिपोट्र्स में बताया गया है कि इन लोगों ने किन तरीकों से विदेश में लाखों करोड़ डॉलर की संपत्तियां छुपा कर रखी हैं।

इसी संस्था ने पांच साल पहले लीक किए थे पनामा पेपर्स: गौरतलब है कि संस्था से जुड़े 117 देशों के 150 से ज्यादा मीडिया आउटलेट के लगभग 600 पत्रकारों ने 1.19 करोड़ रिकॉड्र्स जुटाए हैं। इसी संस्था की तरफ से पांच साल पहले %पनामा पेपर्स% लीक किए गए थे। उनमें बताया गया था कि कैसे समाज की नामचीन हस्तियों ने कथित तौर पर सरकारी एजेंसियों की नजरों से दूर विदेश में संपत्तियां जुटाई थीं।

35 मौजूदा और पूर्व राष्ट्राध्यक्षों, 330 से ज्यादा राजनेताओं की फाइलें:- दुनियाभर के रिपोर्टर्स और मीडिया ऑर्गेनाइजेशन की वॉशिंगटन स्थित संस्था ढ्ढष्टढ्ढछ्व की रिपोट्र्स के मुताबिक उनके पास भारत सहित 91 देशों के लगभग 35 मौजूदा और पूर्व राष्ट्राध्यक्षों, 330 से ज्यादा राजनेताओं और सरकारी अधिकारियों की फाइलें हैं। न्यूज एजेंसी क्र्रञ्जढ्ढ के मुताबिक, %जिन लोगों ने सरकार की जानकारी के बाहर विदेश में एसेट लिए हुए हैं, उनमें क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर, पॉप सिंगर शकीरा, सुपर मॉडल क्लॉडिया शिफर शामिल हैं।

पुरानी गाड़ियां रखना महंगा सौदा

15 साल पुरानी कारों का रजिस्ट्रेशन रिन्यू कराना हुआ आठ गुना महंगा

» रिन्यूअल में देरी होने पर लगेगा हर महीने 300 रुपए का जुर्माना

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अगर आपके पास लगभग 15 साल पुरानी कार है और उसका रजिस्ट्रेशन अगले साल रिन्यू होना है तो यह खबर आपके लिए है। अप्रैल 2022 से शुरू वित्त वर्ष में उसका रजिस्ट्रेशन रिन्यू कराने के लिए आपको आज के मुकाबले आठ गुना ज्यादा फीस देनी होगी।

गाड़ी	अभी	अगले साल
मोटरसाइकिल	₹300	₹1,000
थ्री-व्हीलर	₹600	₹2,500
कार/जीप	₹600	₹5,000
इंपोर्टेड कार	₹5,000	₹40,000

सोमवार को जारी हुई अधिसूचना: - इसी तरह, ट्रकों और बसों का फिटनेस सर्टिफिकेट रिन्यू कराने के लिए भी अगले वित्त वर्ष से लगभग आठ गुना ज्यादा फीस देनी होगी। इसके लिए सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने सोमवार को अगले साल से नई व्यवस्था लागू करने की अधिसूचना जारी की थी।

दिल्ली और पड़ोस में पहले से बैन: - यह खबर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में रजिस्टर्ड पुरानी गाड़ियों के लिए कोई मायने नहीं रखती। ऐसा इसलिए कि इन इलाकों में 10 साल से पुरानी डीजल और 15 साल से ज्यादा पुरानी पेट्रोल गाड़ियों पर बैन लगा हुआ है।

बाइक के लिए देने होंगे 1,000 रुपए:- अधिसूचना के मुताबिक, 15 साल पुरानी कार का रजिस्ट्रेशन रिन्यू कराने के लिए अब 5,000 रुपए देना होगा। अभी यह काम 600 रुपए में हो रहा है। इसी तरह, पुरानी बाइक का रजिस्ट्रेशन रिन्यू कराने के लिए अब 1,000 रुपए देने होंगे। यह फीस अभी 300 रुपए है।

12,500 रुपए में फिटनेस सर्टिफिकेट रिन्यूअल:- इसी तरह 15 साल से ज्यादा पुरानी बसों और ट्रकों के फिटनेस सर्टिफिकेट रिन्यूअल में 12,500 रुपए का खर्च आएगा जो अभी 1,500 रुपए में हो रहा है। इनका फिटनेस सर्टिफिकेट रिन्यू कराने में जितने दिन की देरी होगी, हर दिन 50 रुपए के हिसाब से जुर्माना लगेगा।

कारवालों पर हर महीने 300 रुपए का जुर्माना:- अगर आप अपनी कार का रजिस्ट्रेशन रिन्यू कराने में देरी करते हैं तो हर महीने 300 रुपए का जुर्माना लगेगा। कमर्शियल गाड़ियों के मामले में यह जुर्माना 500 रुपए मासिक होगा। रजिस्ट्रेशन और फिटनेस रिन्यूअल फीस इसलिए बढ़ाई गई है, ताकि लोग पुरानी गाड़ियां रखे रहने की न सोचें।

15 साल के बाद हर पांच साल पर रिन्यूअल:- अब से आपको 15 साल के बाद अपनी कार का रजिस्ट्रेशन हर पांच साल पर रिन्यू कराना होगा। इसी तरह कमर्शियल व्हीकल के आठ साल पुराना होने पर हर साल उसका फिटनेस सर्टिफिकेट रिन्यू कराने की जरूरत होगी।

मैनुअल फिटनेस टेस्ट खत्म कराना चाहती है सरकार:- नोटिफिकेशन में गाड़ियों के मैनुअल और ऑटोमेटेड फिटनेस टेस्ट की फीस के बारे में भी बताया गया है। सरकार मैनुअल फिटनेस टेस्ट खत्म कराना चाहती है क्योंकि उसमें हेराफेरी किए जाने की आशंका होती है। उसने व्हीकल स्क्रैपिंग स्कीम के तहत ऐसे टेस्ट सेंटर खोलने से जुड़े नॉर्म्स के नोटिफिकेशन जारी किए हैं।

वर्ल्ड फाइनेंशियल प्लानिंग डे:जितने जल्दी शुरू करेंगे निवेश उतना सुरक्षित होगा भविष्य

तनाव से भी रहेंगे मुक्त

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

हर साल अक्टूबर के पहले बुधवार को लोगों को फाइनेंशियल प्लानिंग के प्रति जागरुक करने के लिए वर्ल्ड फाइनेंशियल प्लानिंग डे मनाया जाता है। कोरोना काल ने लोगों को सही फाइनेंशियल प्लानिंग का महत्व समझाया है। इस तरह की समस्या से आसानी से निपटने के वित्तीय अनुशासन बहुत जरूरी है। आज हम आपको वर्ल्ड फाइनेंशियल प्लानिंग डे के मौके पर फाइनेंशियल प्लानिंग से जुड़ी कुछ खास बातें बता रहे हैं।

निवेश करना जरूरी

अपनी पहली नौकरी शुरू करने के साथ ही निवेश के बारे में सोचना चाहिए। खर्च के बाद आपके हाथ में जो पैसे बचते हैं उन्हें अपने हिसाब से सही जगह निवेश करना चाहिए। इस वक्त शुरू किया गया निवेश आपका भविष्य सुरक्षित बना सकता है। आप पब्लिक प्रोविडेंट फंड , म्यूचुअल फंड या RD सहित अन्य जगह निवेश करके आसानी से बड़ा फंड तैयार कर सकते हैं। हालांकि एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर आप कम उम्र में निवेश करते हैं तो आपको इक्विटी लिंक स्कीम्स में निवेश करना चाहिए ताकि आपको अपने निवेश पर बेहतर रिटर्न मिल सके। इसके लिए आप फाइनेंशियल एक्सपर्ट की सलाह भी ले सकते हैं। रिटायरमेंट के लिए पैसा जोड़ने के अलावा नौकरी जाने जैसी आपातकालीन स्थितियों के लिए भी आपको तैयार रहना चाहिए। यह इमरजेंसी फंड आपके कम से कम 5 से 6 महीने के वेतन के बराबर होना चाहिए।

3 महीने में 3 लाख करोड़ बढ़ा एएमयू म्यूचुअल फंड का 90 फीसदी हिस्सा

14 कंपनियों के पास, 18 कंपनियों के पास केवल 1.5 फीसदी हिस्सा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का कुल असेट अंडर मैनेजमेंट सितंबर तिमाही में 36.16 लाख करोड़ रुपए हो गया है। जून तिमाही में यह 33.17 लाख करोड़ रुपए था। इसमें से 90 फीसदी हिस्सा टॉप 14 कंपनियों के पास है। जबकि अंतिम की 18 कंपनियों के पास महज 1.5 फीसदी हिस्सा ही है। तीन महीने में फंड इंडस्ट्री के एएमयू में 3 लाख करोड़ रुपए की बढ़त आई है।

टॉप 14 फंड कंपनियों के पास 32.87 लाख करोड़ रुपए एएमयू है। दिसंबर 2020 में इनके पास 92 फीसदी हिस्सा था। यानी 9 महीने में 2 फीसदी की कमी इन कंपनियों के एएमयू में आई है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एंफी) के आंकड़ों के मुताबिक, SBI म्यूचुअल फंड का एएमयू सितंबर में 5.78 लाख करोड़ रुपए था। जून तिमाही में 5.23 लाख करोड़ रुपए था। दूसरे नंबर पर ICICI प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड है। इसका सितंबर में एएमयू 4.47 लाख करोड़ रुपए रहा, जो जून तिमाही में 4.16 लाख करोड़ रुपए था। एचडीएफसी म्यूचुअल फंड 4.38 लाख करोड़ रुपए के साथ तीसरे नंबर पर है। जून में इसका एएमयू 4.16 लाख करोड़ रुपए था। इसी हफ्ते IPO लाने वाली कंपनी बिड़ला म्यूचुअल फंड का एएमयू सितंबर में 2.98 लाख करोड़ रुपए रहा। जबकि जून में 2.75 लाख करोड़ रुपए था। 2.69 लाख करोड़ रुपए के साथ कोटक महिंद्रा म्यूचुअल फंड पांचवें नंबर पर रहा। जून तिमाही में इसका एएमयू 2.46 लाख करोड़ रुपए था। निप्पोन इंडिया म्यूचुअल फंड छठें नंबर पर है। सितंबर में इसका एएमयू 2.65 लाख करोड़ रुपए रहा, जो जून तिमाही में 2.49 लाख करोड़ रुपए था।

आयुष्मान भारत के तहत इलाज की दरें बढ़ीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सरकार ने आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जय) के तहत कई बीमारियों के इलाज की दरों में 20 से 400 प्रतिशत के बीच वृद्धि की है। ऐसे में सरकार के इस कदम से निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहन मिल सकता है। कैंसर के इलाज सहित लगभग 400 प्रक्रियाओं की दरों में संशोधन किया गया है। इसके अलावा ब्लैक फंगस से जुड़ा एक नया अतिरिक्त इलाज प्रबंधन पैकेज भी जोड़ा गया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि यह संशोधित स्वास्थ्य लाभ पैकेज नवंबर, 2021 से लागू होने की उम्मीद है। निजी अस्पतालों ने स्वास्थ्य मंत्रालय के सामने चिंता जताई थी कि स्वास्थ्य योजना के तहत इलाज की दरें व्यवहारिक नहीं हैं और इसी वजह से इस पहल में उनकी भागीदारी में बाधा आ रही हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि कैंसर के लिए संशोधित पैकेज से देश में लाभार्थियों के कैंसर इलाज में तेजी आएगी। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि स्वास्थ्य लाभ पैकेज की तार्किक दरों की वजह से निजी अस्पतालों की भागीदारी में भी सुधार दिखेगा और इससे लाभार्थियों की जेब पर बोझ भी कम होगा। चिकित्सा प्रबंधन प्रक्रियाओं के तहत, वेंटिलेटर वाले आईसीयू की दरों में 100 प्रतिशत, बिना वेंटिलेटर वाले आईसीयू की दरों में 136 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

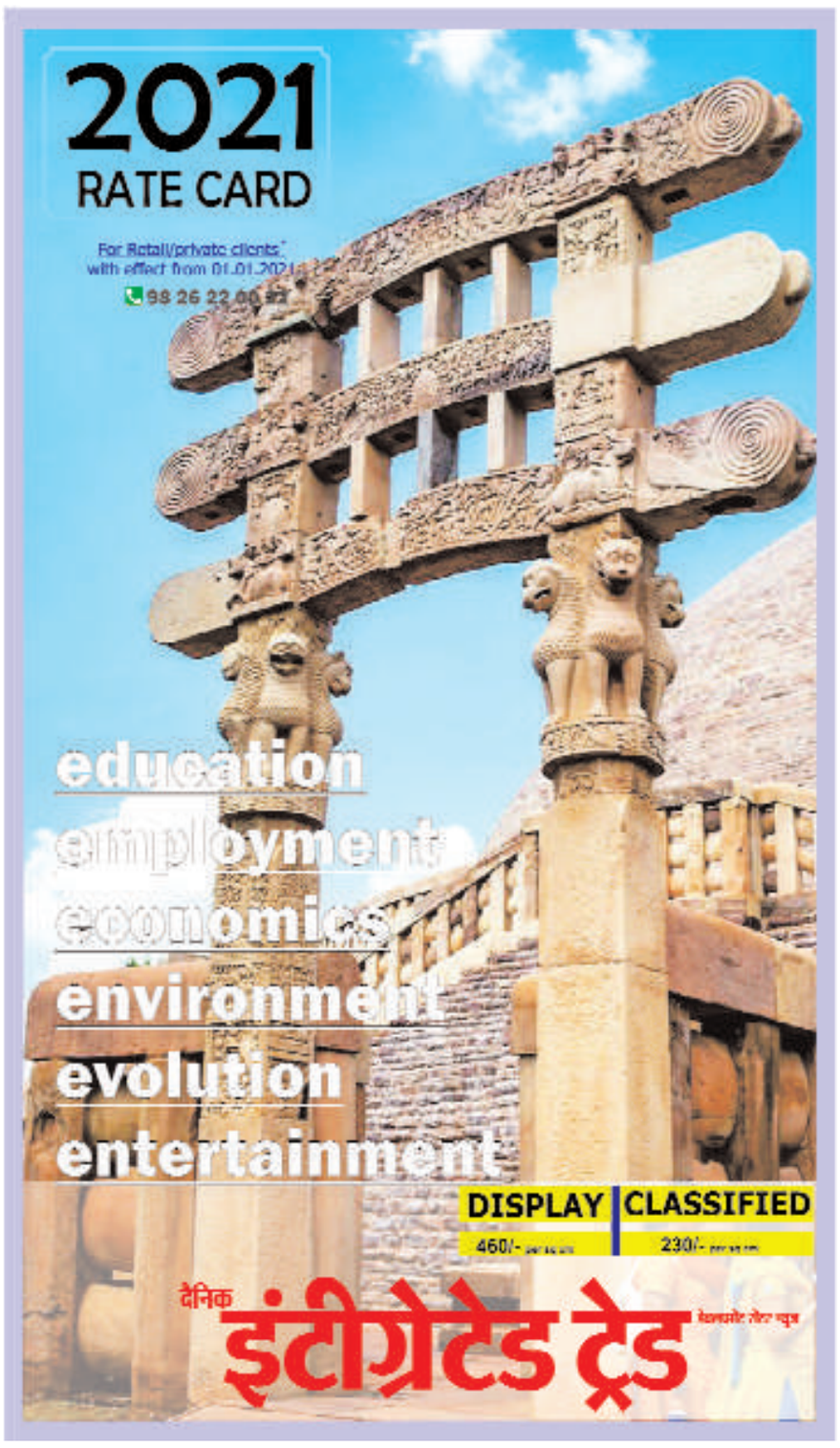

एनर्जी क्राइसिस : क्रूड और कोयला दे सकते हैं देश को दोहरा झटका; बढ़ा सकते हैं महंगाई, ग्रोथ में अटका सकते हैं रोड़ा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल के दाम में तेजी और देश में कोयले की किल्लत महंगाई बढ़ाते हुए तेज आर्थिक तरक्की की राह में रोड़ा अटका सकती है। ये बातें काफी अहम हैं क्योंकि इसी हफ्ते भारतीय रिजर्व बैंक की पॉलिसी मीटिंग होने वाली है, जहां ब्याज दरें बढ़ाए जाने का अनुमान पिछले कुछ दिनों से लगाया जा रहा था। देश में लगभग 70 फीसदी

बिजली कोयले से बनाई जाती है और लगभग 85 फीसदी क्रूड का इंपोर्ट किया जाता है। कोयले की कमी फैक्ट्रियां बंद करा सकती है, जो दिक्कत वाली बात है। ऐसे में क्रूड ऑयल का इंपोर्ट बढ़ सकता है। वह भी तब, जब इंटरनेशनल मार्केट में उसकी कीमत सात साल के ऊंचे स्तर पर चल रही है और इकोनॉमी पर दबाव बना रही है। फ्यूल (क्रूड ऑयल और कोयले) से जुड़ी दोनों घटनाओं के चलते महंगाई और व्यापार घाटा बढ़ने के आसार से करेंसी और बॉन्ड मार्केट पर भारी दबाव बना है। इस महीने एशियाई करेंसी में रुपया सबसे कमजोर रहा है जो बुधवार को डॉलर के मुकाबले 0.2 फीसदी कमजोर होकर 74.60 पर चला गया था। 10 साल के बॉन्ड की यील्ड मंगलवार को अप्रैल 2020 के बाद के उच्चतम स्तर 6.28 फीसदी पर पहुंच गई थी। नोमुरा होल्डिंग्स इंक की चीफ इकोनॉमिस्ट- इंडिया और एशिया, सोनल वर्मा कहती हैं, %दोनों घटनाएं देश के लिए आर्थिक झटका हैं। उनके चलते महंगाई बढ़ सकती है, इकोनॉमिक ग्रोथ कम हो सकती है।

शिक्षा और पर्यावरण तन्त्र डुबा रहा है अर्थव्यवस्था को

- भरत झुनझुनवाला

हमारे फिसलने के दो प्रमुख कारण दिखते हैं। पहला कारण शिक्षा का है । इंस्टिट्यूट आफ मैनेजमेंट डेवलोपमेंट के अनुसार भारत का शिक्षा तंत्र 64 देशों में 59 वें रैंक पर था। हम लगभग सबसे नीचे थे। पर्यावरण की रैंक में हम 64 देशों में अंतिम पायदान यानी 64वें रैंक पर थे। विश्वगुरु का सपना देखने वाले देश के लिए यह शोभनीय नहीं है।

स्विट्जरलैंड स्थित इंस्टिट्यूट आफ मैनेजमेंट डेवलोपमेंट द्वारा विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के प्रतिस्पर्धा सूचकांक में भारत की रैंक 2016 में 41 से फिसल करे 2020 में 43 रह गई है। इसी के समानांतर वर्ल्ड इकनामिक फोरम द्वारा बनाए गए प्रतिस्पर्धा सूचकांक में 2018 में भारत की रैंक 58 थी जो कि 2019 में फिसलकर 68 रह गयी है। इस प्रकार विश्व के 2 प्रमुख प्रतिस्पर्धा मानकों में हम फिसल रहे हैं। यदि हमारी यही चाल रही तो देश को 5 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था को बनाने का सपना निश्चित रूप से अधूरा रह जाएगा।

हमारे फिसलने के दो प्रमुख कारण दिखते हैं। पहला कारण शिक्षा का है । इंस्टिट्यूट आफ मैनेजमेंट डेवलोपमेंट के अनुसार भारत का शिक्षा तंत्र 64 देशों में 59 वें रैंक पर था। हम लगभग सबसे नीचे थे। पर्यावरण की रैंक में हम 64 देशों में अंतिम पायदान यानी 64वें रैंक पर थे। विश्वगुरु का सपना देखने वाले देश के लिए यह शोभनीय नहीं है।

शिक्षा के क्षेत्र में हमारा खराब प्रदर्शन चिंता का विषय है क्योंकि रिजर्व बैंक आफ इण्डिया के अनुसार वर्ष 2019-20 में हमने अपनी आय यानी जीडीपी का 3.3 प्रतिशत शिक्षा पर खर्च किया था। यद्यपि वैश्विक स्तर पर शिक्षा पर 6 प्रतिशत खर्च को उचित माना जाता है फिरभी 3.3 प्रतिशत उतना कमजोर नहीं है। यह रकम 2019-20 में 651 हजार करोड़ रूपये की विशाल राशि बन जाती है। ऐसा समझें कि 6 माह में हमारी जनता जितना जीएसटी अदा करती है और केन्द्र एवं राज्य सरकारों को जितना राजस्व मिलता है उससे अधिक खर्च इन सरकारों द्वारा से शिक्षा पर किया जा रहा है। फिरभी हमारी जैसा कि उपर बताया गया है कि शिक्षा में हमारी रैंक 64 देशों में 59 है, जो कि शर्मनाक है। जाहिर है कि शिक्षा पर किये जा रहे खर्च में कहीं न कहीं विसंगति है। जैसा ऊपर बताया गया है 651 हजार करोड़ रूपये की राशि सरकार द्वारा हर वर्ष शिक्षा पर खर्च की जा रही है। यह रकम केवल सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र पर की जा रही है। दिल्ली में प्रति छात्र 78,000 रूपए खर्च किये जा रहे हैं। वर्तमान में हमारी विद्यालय जाने वाली जनसंख्या लगभग 46 करोड़ है। यदि इस रकम को देश के सभी छात्रो में बाँट दिया जाये तो प्रत्येक छात्र को 14,000 रूपए दिए जा सकते हैं। सामान्य रूप से ग्रामीण इंगलिश मीडियम विद्यालयों की फीस लगभग 12 हजार रूपये प्रति वर्ष होती है। यानी जितनी फीस में प्राइवेट विद्यालयों द्वारा इंगलिश मीडियम की शिक्षा हमारे छात्रों को उपलब्ध कराई जा रही है उससे 5 गुणा रकम सरकार द्वारा सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों पर की जा रही है। एक ओर प्राइवेट इंगलिश मीडियम स्कूल 12 हजार रूपये में शिक्षा उपलब्ध कराते हैं दूसरी तरफ 78 हजार रूपये सरकार द्वारा खर्च किये जाते हैं। इसके बावजूद हमारी रैंक नीचे रहती है। इस विसंगति का मूल कारण यह दिखता है कि सरकारी अध्यापकों को बच्चों को पढ़ाने में कोई रूचि नहीं होती है। यदि उनके रिजल्ट अच्छे आते हैं तो उन्हें कोई सम्मान नहीं मिलता है और यदि उनके रिजल्ट खराब आते हैं तो उन्हें कोई सजा नहीं मिलती है। इसलिए उनके लिए विद्यालय की बायोमेट्रिक व्यवस्था में अपनी हाजिरी लगाना मात्र ही उद्देश्य रह जाता है। विशेष यह कि सरकार ने फीस माफ़ करके, मुफ्त पुस्तक, मुफ्त यूनिफार्म और मुफ्त मध्यान्ह भोजन वितरित करके छात्रों को सरकारी विद्यालयों में दाखिला लेने के लिए सम्मोहित कर लिया है। इस सम्मोहन के चलते वे तुलना में कम खर्च में शिक्षा प्रदान करने वाले निजि विद्यालयों की तुलना महंगे लेकिन मुफ्त सरकारी विद्यालय में दाखिला लेना पसंद करते हैं। इसलिए यदि हमें अपनी प्रतिस्पर्धा की क्षमता को बढ़ाना है तो अपनी शिक्षा व्यवस्था का आमूलचूल परिवर्तन करना होगा। सुझाव है कि सरकार द्वारा खर्च की जा रही रकम को छात्रों को सीधे वाउचर के माध्यम से दिया जाए और छात्रों को स्वतंत्रता दी जाए कि वे अपने मन पसंद के गुणवत्ता युक्त विद्यालय में उन वाउचरों के माध्यम से अपनी फीस अदा कर सकें। यदि ऐसा किया जाएगा तो महंगे सरकारी विद्यालय में दाखिला लेने का प्रलोभन समाप्त हो जाएगा और उस रकम को कुशल प्राइवेट विद्यालयों कि शिक्षा में सुधार के लिए किया जा सकेगा। हमारी शिक्षा व्यवस्था में सुधार आ जाएगा। दूसरी समस्या पर्यावरण की है जिसमें हमें 64/64 पायदान पर सबसे नीचे है। समस्या यह है कि सरकार समझ रही है पर्यावरण के अवरोध से हमारी आर्थिक गतिविधियाँ रुक रही हैं।

संपादकीय

कमाई को देश से बचाने का खेल

अरुण कुमार

पैंडोरा पेपर्स जैसे खुलासे हमारी अर्थव्यवस्था की गड़बड़ियों को उजागर करते हैं। यह कोई पहला मामला नहीं है। पनामा पेपर्स, पैराडाइस पेपर्स जैसे कई खुलासों के हम गवाह रहे हैं। इन सबमें बताया गया है कि किस तरह से देश से पैसा निकालकर विदेश भेजा गया और टैक्स से बचने की पूरी कोशिश की गई। संपन्न तबका ऐसा करता है, ताकि उसे अपनी आमदनी पर पूरा कर न चुकाना पड़े। पैसा भेजने का जरिया अमूमन हवाला होता है या फिर 'अंडर-इनवॉयसिंग ऑफ रेवेन्यू' (वस्तु की कीमत वास्तविक दाम से कम बताना) या 'ओवर-इनवॉयसिंग ऑफ कॉस्ट' (वस्तु की कीमत वास्तविक दाम से ज्यादा बताना) के माध्यम से काली कमाई की जाती है। टैक्स-हैवन देशों (जिन राष्ट्रों में कर की दर काफी कम अथवा नाममात्र की होती है) में पैसों की 'लेयरिंग' होती है, यानी पैसे के मूल स्रोत को छिपाने के लिए उसे वित्तीय प्रणाली में इधर-उधर किया जाता है। मसलन, पहले किसी एक टैक्स-हैवन देश की शेल कंपनी (अमूमन कागजों पर चलने वाली कंपनी) में निवेश किया जाता है, फिर इस कंपनी को बंद करके पैसे को किसी दूसरे टैक्स-हैवन देश की शेल कंपनी में डाल दिया जाता है। यह प्रक्रिया तीसरी, चौथी, पांचवीं, छठी या इससे आगे की कंपनी तक दोहराई जाती है। और अंत में, किसी अन्य टैक्स-हैवन देश की शेल कंपनी में पैसा रख दिया जाता है। दुनिया भर में तकरीबन 90 टैक्स-हैवन देश हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रिया जैसे उन्नत देश भी इससे अछूते नहीं हैं। एक अध्ययन में हमने पाया है कि 1948 से 2012 के बीच भारत से जो पैसा बाहर गया, उससे देश को तकरीबन दो ट्रिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। बेशक, जो पैसा यहां से निकलता है, उसका कुछ हिस्सा 'राउंड ट्रिपिंग' द्वारा वापस लौट आता है, लेकिन यह महज 30-40 फीसदी होता है। शेष रकम का एक हिस्सा टैक्स-हैवन देश में खर्च होता है और बाकी नकद रूप में जमा रहता है, जिसे वापस लाया जा सकता है। करीब 500-700 अरब डॉलर की रकम अब भी विदेश में पड़ी होगी, जिसको पकड़ा जा सकता है। मगर लेयरिंग की वजह से सरकारों के लिए यह पता करना काफी मुश्किल हो जाता है कि पैसे का मूल स्रोत क्या था और यह कहां से आया है? हालांकि, एक दिक्कत काम करने के ढर्रे को लेकर भी है। हमने अब तक जो प्रयास किए हैं, वे कारगर नहीं रहे हैं। अदालत की निगरानी में 2014 में एसआईटी (विशेष जांच दल) का गठन किया गया, काला धन विधेयक भी लाया गया, मगर नतीजा बहुत निराशाजनक रहा है। फिर, अपने अध्ययन में हमने यह भी देखा है कि कुल काली कमाई की सिर्फ 10 फीसदी राशि विदेश भेजी जाती है, शेष 90 फीसदी यहीं रह जाती है। इसलिए, अगर इस अवैध आमदनी का निर्माण रोक दें, तो बाहर जाने वाला पैसा भी स्वतः रुक जाएगा। 1955-56 में कैंब्रिज यूनिवर्सिटी से डॉ कॉलडोर यहां आए थे। उन्होंने अनुमान लगाया था कि काली कमाई देश के कुल सकल घरेलू उत्पाद, यानी जीडीपी का चार से पांच फीसदी होती है। 1970 में वांचू कमेटी ने इसे सात फीसदी कहा था। 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस ऐंड पॉलिसी' ने बताया कि 1980-81 में काला धन जीडीपी का 18 से 21 प्रतिशत हो गया था। 1995-96 तक यह 40 फीसदी हो गया। ईपीडब्ल्यू के एक आलेख में अब इसे जीडीपी का 62 फीसदी बताया गया है। पैंडोरा पेपर्स इन्हीं आंकड़ों की तस्दीक करते हैं। इसने साफ कर दिया है कि किस तरह से कर चोरी के साथ-साथ काली कमाई का जाल बुना गया है। केमैन आइलैंड में तो एक ही कमरे में 10 हजार शेल कंपनियां चलती हैं। यहां दो-ढाई हजार डॉलर में कोई अपनी कंपनी बना सकता है। मॉरीशस का हाल भी इससे बहुत अलग नहीं है। लंदन, न्यूयॉर्क की वित्तीय कंपनियां भी यह खेल बखूबी खेलती हैं। स्विट्जरलैंड तो खैर इसके लिए बदनाम ही है। ऐसे देशों में एक पूरा तंत्र काला धन को खपाने के लिए काम करता है। ऐसा नहीं है कि हमें अपनी चूक का इल्म नहीं है। पिछले सात दशकों में काली कमाई को रोकने के लिए 30-40 कमेटियां बन चुकी हैं। सैकड़ों कदम उठाए गए हैं। 1971 में आयकर की दर 97.5 फीसदी से घटाकर 30 फीसदी की गई, 1991 में उदार अर्थव्यवस्था अपनाकर कई तरह के नियंत्रण हटाए गए, फिर भी काला धन अपनी रफ्तार से बढ़ता रहा है। दरअसल, भ्रष्ट उद्योगपतियों, राजनेताओं, पुलिस व आयकर विभाग के अधिकारियों की सांठगांठ इसका पोषण करती है। जब तक इस पर नियंत्रण नहीं किया जाएगा, काली कमाई का निर्माण नहीं रुकेगा। हम चाहें, तो दूसरे देशों से सबक ले सकते हैं। न्यूजीलैंड और स्कैंडिनेवियाई देश बेशक छोटे देश हैं, लेकिन वे हमारे लिए आदर्श हो सकते हैं। वहां टैक्स बहुत ज्यादा वसूला जाता है, लेकिन लोग खुशी-खुशी इसे देते हैं, और काली कमाई वहां महज एक प्रतिशत है। लोगों को यह भरोसा है कि जो पैसे उनसे लिए जा रहे हैं, वह उनके हित में खर्च होंगे। वहां शिक्षा और बुनियादी ढांचे पर काफी निवेश किया जाता है। मगर अपने यहां आम धारणा है कि कुरसी पर बैठा सभी भ्रष्ट है, जो सिर्फ और सिर्फ जनता से पैसे लूटकर अपना पेट भरता है। इसीलिए, हर कोई टैक्स बचाने की जुगाड़ में रहता है। यहां मुझे 1976 की अपनी अमेरिका यात्रा याद आ रही है। जब मैं वहां से लौटने को था, तब टैक्स सर्टिफिकेट के लिए मैं स्थानीय आयकर विभाग में गया। वहां के अधिकारी मेरी गुजारिश सुनकर आश्चर्यचकित हुए। उन्होंने कहा कि इसके लिए यहां आने की कतई जरूरत नहीं होती है। यह तो बस एक फोन कॉल पर पूरा हो जाता है और सर्टिफिकेट घर पहुंचा दिया जाता है। क्या अपने देश में हम ऐसा कुछ सोच सकते हैं?

इंसानियत कुचली जाएगी

कैसी विडंबना है कि हर वक्त गरीबों, पीड़ितों, किसानों के रहनुमा होने की बात करने वाले प्रधानमंत्री के पास इतना वक्त नहीं है कि वे अकाल मौत का शिकार बना दिए गए लोगों के प्रति संवेदना के दो बोल कहते, लखनऊ से लखीमपुर तक की महज 130 किमी दूरी का फासला तय कर पीड़ितों के साथ खड़े होने पहुंचते। विपक्ष के नेताओं को तो योगी सरकार वहां तक पहुंचने से रोक रही है, लेकिन प्रधानमंत्री तो सुरक्षा के तामझाम और सरकारी खर्च पर वहां जा सकते थे।

लखीमपुर खीरी में किसानों को गाड़ी से कुचलकर मारने की घटना के बाद जिस तेजी से मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने अपनी सरकार को संभालने के लिए मोर्चा संभाला, किसान नेता राकेश टिकैत को साथ लेकर मृतकों के परिजनों को मुआवजे आदि की घोषणा की, न्यायिक जांच का ऐलान किया। उसके बाद गोदी मीडिया में ये खबर बड़ी तेजी से चलने लगी कि योगीजी ने विपक्ष का दांव विफल कर दिया। आक्रोशित किसानों को अपने राजनैतिक कौशल से उन्होंने शांत कर दिया। भाजपा के लिए हालात बिगड़ने से पहले संभाल लिए। लेकिन इस घटना के दो दिन बाद भी विपक्ष के नेताओं को जिस तरह रोकने की कोशिश में योगी सरकार लगी हुई है, उससे यही नजर आ रहा है कि लखीमपुर का मामला अभी संभला नहीं है, बल्कि अब बात आगे बढ़ने तैयार है।

एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ, जिसमें नजर आ रहा है कि एक गाड़ी अपने आगे चल रहे किसानों को जबरन रौंदने के लिए उन पर चढ़ा दी जाती है। किसी फिल्म का यह दृश्य होता तो निर्देशक इस एक्शन के बाद कट कहता और कलाकार जमीन से उठकर अपने कपड़ों पर लगी धूल, नकली खून सब साफ कर लेते, गाड़ी चढ़ाने वाला खलनायक और झूठी मौत मरने वाले पीड़ित साथ बैठे गप्पे हांक रहे होते। लेकिन यह वीभत्स दृश्य असल जिंदगी में घटा, जिसे देखने के बाद हर संवेदनशील इंसान की रूह कांप उठी। इस वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन इसे गलत बताने का दावा भी सामने नहीं आया है। इसलिए फिलहाल यह तो माना ही जा सकता है कि किसी जीते-जागते इंसान ने अपने ही सरीखे दूसरे इंसानों की बेरहमी से हत्या कर दी।

आठ लोगों की मौत हकीकत में हुई है, मगर न जाने केंद्र सरकार पर आजादी के अमृत महोत्सव का कैसा नशा सवार है कि शोक की इस घड़ी में भी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी आज सशरीर लखनऊ पधारे, और वहां पीएम आवास योजना के लाभार्थियों से संवाद किए। अपनी चिर-परिचित शैली में खुद का गुणगान करते हुए विरोधियों को इस बात के लिए कोसा कि गरीबों को घर मिलने पर भी वे उनकी आलोचना करेंगे। सामान्य परिस्थितियों में विपक्ष की ऐसी खिंचाई से कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन क्या मोदीजी हालात की गंभीरता को समझ नहीं पा रहे हैं या जानबूझकर ऐसा माहौल बना रहे हैं कि उनके भाषण की चर्चा हो और लखीमपुर का मामला हाशिए पर चला जाए।

कैसी विडंबना है कि हर वक्त गरीबों, पीड़ितों, किसानों के रहनुमा होने की बात करने वाले प्रधानमंत्री के पास इतना वक्त नहीं है कि वे अकाल मौत का शिकार बना दिए गए लोगों के प्रति संवेदना के दो बोल कहते, लखनऊ से लखीमपुर तक की महज 130 किमी दूरी का फासला तय कर पीड़ितों के साथ खड़े होने पहुंचते। विपक्ष के नेताओं को तो योगी सरकार वहां तक पहुंचने से रोक रही है, लेकिन प्रधानमंत्री तो सुरक्षा के तामझाम और सरकारी खर्च पर वहां जा सकते थे। दिखावे के लिए भी अगर वे यह संवेदना यात्रा करते तो उसमें दो-ढाई घंटे से अधिक का वक्त नहीं लगता। 20-20 घंटे काम करने का रिकार्ड बनाने वाले मोदीजी के लिए क्या दो घंटे निकालना नामुमकिन था।

इस घटना में आरोप केंद्र सरकार के एक मंत्री के बेटे पर है, इसलिए यह मामला केंद्र का भी है। लेकिन मोदीजी शायद इसे राज्य का मामला मानकर सारा दारोमदार योगी सरकार पर छोड़े हुए हैं। मुख्यमंत्री योगी आगामी चुनाव को देखते हुए मामले को संभालने में लगे हैं। लेकिन महज मुआवजा देकर वे सवालों से बरी नहीं हो सकते। योगी सरकार को यह बताना चाहिए कि विपक्ष के नेताओं को किन वजहों से लखीमपुर खीरी जाने से रोका जा रहा है। प्रियंका गांधी को सुबह साढ़े चार बजे गिरफ्तार किया गया, उन्हें इसके लिए कोई ठोस वजह नहीं बताई गई। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक प्रियंका गांधी को सीतापुर के पीएसी गेस्ट हाउस में बनी अस्थायी जेल में रखा गया है। भाजपा के नेता प्रियंका गांधी पर अक्सर तंज कसते हैं कि वे राजनैतिक पर्यटन के लिए उत्तरप्रदेश आती हैं। अब भाजपा से पूछा जा सकता है कि क्या पर्यटकों के साथ उसका यही व्यवहार रहता है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के विमान को भी पहले लखनऊ में विमानतल पर उतरने की इजाज़त नहीं दी गई और अगले दिन जब वे लखनऊ विमानतल पहुंचे तो उन्हें वहां से निकलने नहीं दिया गया। क्या एक निर्वाचित मुख्यमंत्री को इस तरह दूसरे राज्य में प्रवेश करने से रोकना स्वस्थ लोकतंत्र की निशानी है। बगैर किसी ठोस कारण के विपक्षी नेताओं को उप्र पुलिस ने रोक लिया, लेकिन जिस आशीष मिश्रा पर आरोप हैं, वह अब तक आजाद है।

क्या उत्तरप्रदेश में इसी कानून व्यवस्था की तारीफ प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी करते रहे हैं। किसान नेता राकेश टिकैत ने साफ कहा है कि उत्तरप्रदेश सरकार के साथ जो समझौता हुआ है उसके तहत आठ दिन के अंदर अभियुक्तों की गिरफ़्तारी करनी है। क्या योगीजी इस समझौते का पालन कर पाएंगे। विपक्ष के नेता, किसान सभी अपनी-अपनी भूमिकाओं का निर्वाह कर रहे हैं। अब जनता को भी अपनी नागरिक जिम्मेदारी उठाने के लिए तैयार होना चाहिए। मंदिर-मस्जिद, धर्म-जाति के स्वार्थी मुद्दों से बढ़कर इंसान की गरिमामयी जिंदगी होती है। अगर इस बात को अब भी सरकार को याद नहीं दिलाया गया तो फिर इंसानियत, लोकतंत्र, मानवाधिकार सबके कुचले जाने की बारी एक-एक कर आएगी।

गेम चेंजर कैसे होगा लखीमपुर खीरी कांड?

- राकेश अचल

उत्तर प्रदेश का राजनीतिक परिदृश्य भीतर से बड़ा भयावह है। राज्य की सत्ता का सुख भोग चुके सपा, बसपा और भाजपा ने दोबारा सत्ता में आने के लिए जातिवाद के जहर की खेती जिस तेजी से की है उसके मुकाबले कांग्रेस के पास कुछ नहीं है। कांग्रेस के पास इस समय न दलित वोट बैंक है और न ब्राम्हण वोट बैंक। कांग्रेस के पास ले-देकर अल्पसंख्यक वोट हैं लेकिन इन वोटों में भी भाजपा के लिए सेंध लगाने वाले ओवैसी जैसे नेता उपस्थित हैं। भाजपा ने हर जाति की राजनीतिक पार्टी अपने फायदे के लिए ज़िंदा कर दी है।

भारतीय जन-गण-मन बेहद सीधा और आशावादी है। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी काण्ड के बाद यह आशा व्यक्त की जाने लगी है कि वहां हुई नृशंस वारदात शायद उत्तर प्रदेश की राजनीति में %गेम चेंजर% का काम कर जाये, क्योंकि इस वारदात के बाद जिस तरह से कांग्रेस की श्रीमती प्रियंका वाड्रा ने गांधीगीरी की है वह पुराने परिदृश्य की याद दिलाती है।

उत्तर प्रदेश में राजनीति का खेल बदलने के लिए बहुत दिनों से जोड़-तोड़ चल रही है। उप्र बीते तीन दशकों से भारतीय जनता पार्टी, समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के हाथों का खिलौना बना हुआ है। कांग्रेस उत्तर प्रदेश की राजनीति से अप्रासंगिक हो चुकी है। उत्तर प्रदेश की राजनीति से उखड़ने के बाद ही कांग्रेस पूरे देश से उखड़ गई। लगातार दो आम चुनावों में जीत से देश की बागडोर भाजपा के

हाथों में है। भाजपा के सुशासन से देश के अधिकांश राज्य तंग आ चुके हैं। देश के एक दर्जन राज्यों में भाजपा की सत्ता है। कहीं उसने जनादेश के जरिये सत्ता हासिल की है तो कहीं जोड़तोड़ से। इसके बावजूद भाजपा शासित राज्यों में रामराज की सुखानुभूति नहीं हो पा रही है।

उत्तर प्रदेश भाजपा शासन का सबसे बड़ा प्रतीक है। भाजपा को सत्ता में वापस लेने के लिए रामबाण का काम करने वाला निर्माणाधीन राममंदिर भी यहीं है और तीन तलाक पर रोक से लोगों को लाभ पहुंचाने वाली सबसे बड़ी आबादी भी यहीं है। दूसरी ओर लखीमपुर - खीरी भी यहीं हो रहा है और यहीं व्यापारी मारे जा रहे हैं। सुशासन के पलट कुशासन उत्तर प्रदेश में ही देखा जा सकता है। यह महज संयोग नहीं है कि भाजपा शासित हरियाणा में कुटने के बाद किसान उत्तर प्रदेश मे कुचले और मारे गए। किसान आंदोलन के प्रति भाजपा का रुख जगजाहिर है। पूरा एक साल हो चुका है किन्तु भाजपा ने किसानों की कोई मांग नहीं मानी। उलटे किसानों को जहां मौका मिला ठोंका है।

लखीमपुर- खीरी की घटना के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने जिस तरह से कांग्रेस की प्रियंका गांधी और दूसरे नेताओं को नजरबन्द किया उससे लोगों को लगने लगा कि कांग्रेस इस वारदात के बाद उत्तर प्रदेश में राजनीति का खेल बदलने की हैसियत में आ गयी है। फिलहाल धरातल पर ऐसा कुछ नहीं है । प्रियंका वाड्रा में स्वर्गीय इंदिरा गांधी की छवि देखने वाले बड़े भोले हैं, फिर चाहे वे प्रो. पुरुषोत्तम अग्रवाल जैसे विचारक हों या देवेंद्र आर्य जैसे जनकवि। उत्तर प्रदेश का खेल बंगाल के खेल से बिलकुल अलहदा है। बंगाल की ममता और यूपी की प्रियंका में बहुत अंतर है। खेल की तस्वीर बदलने के लिए जो ममता बनर्जी के पास था वो प्रियंका के पास नहीं है।

उत्तर प्रदेश का राजनीतिक परिदृश्य भीतर से बड़ा भयावह है। राज्य की सत्ता का सुख भोग चुके सपा, बसपा और भाजपा ने दोबारा सत्ता में आने के लिए जातिवाद के जहर की खेती जिस तेजी से की है उसके मुकाबले कांग्रेस के पास कुछ नहीं है। कांग्रेस के पास इस समय न दलित वोट बैंक है और न ब्राम्हण वोट बैंक। कांग्रेस के पास ले-देकर अल्पसंख्यक वोट हैं लेकिन इन वोटों में भी भाजपा के लिए सेंध लगाने वाले ओवैसी जैसे नेता उपस्थित हैं। भाजपा ने हर जाति की राजनीतिक पार्टी अपने फायदे के लिए ज़िंदा कर दी है। यहां तक कि पूर्व दस्यु और पूर्व सांसद फूलन देवी की जाति की पार्टी भी इस समय उत्तर प्रदेश में मौजूद है। ऐसे में कांग्रेस की प्रियंका कैसे गेम चेंजर बन सकती हैं?

राजनीति में आशावादी तबके का मानना है कि जब बंगाल में खेला हो सकता है तो उत्तर प्रदेश में क्यों नहीं हो सकता? सवाल जायज है, लेकिन इसका उत्तर दूर-दूर तक किसी के पास नहीं है। शायद प्रियंका के पास भी नहीं है पर प्रियंका खेल बदलने की कोशिश में जुटी हुई हैं। प्रियंका के आशावाद की जड़ में उनका आत्मविश्वास भर है। पिछले दो-तीन साल से वे उत्तर प्रदेश के बाहर नहीं निकली हैं। जमीनी स्तर पर उन्होंने कांग्रेस को खड़ा करने के लिए बहुत श्रम किया है, लेकिन उसके नतीजे न पंचायत चुनावों में सामने आये हैं और न अन्य किसी रूप में।

राजनीति में दिलचस्पी रखने वाले जानते हैं कि उत्तर प्रदेश का खेल बदले बिना कांग्रेस हो अथवा भाजपा केंद्र की सत्ता में वापसी नहीं कर सकती। 2024 के आम चुनावों के लिए तो उत्तर प्रदेश की परीक्षा पास करना सभी के लिए अनिवार्य है। कांग्रेस की परेशानी यह है कि आज उसके पास प्रमोद तिवारी जैसे नेता तो हैं लेकिन नारायण दत्त तिवारी जैसा एक भी चेहरा नहीं है जो उत्तर प्रदेश की जनता की उम्मीदों का आईना बन जाये। प्रियंका स्वयं नारायण दत्त तिवारी नहीं बनना चाहतीं। वे अपने आपको यदि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित कर दें तो लखीमपुर खीरी जैसी घटनाएं गेम चेंज करने के काम आ सकती हैं।

सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए

सच तो ये है कि आप हमें
ऋणी बना कर चले गए।
जो भी फ़र्ज़ हमसे जुड़े थे, हर
फ़र्ज़ निभा कर चले गए।
कहते हैं के हर अधिकार से
जुड़ा एक फ़र्ज़ होता है।
आप हर अधिकार हमें देकर
हर फ़र्ज़ का ऋणी बना कर
चले गए।
कभी सोचा भी नहीं था के
आप यूं चले जाएंगे।
आज भी लगता है मानो अभी
लौट कर आ जाएंगे।
जिंदगी की सारी खुशियां हमें
देकर अपने जाने का ग़म दे
चले गए।
सच तो ये है के आप हमें ऋणी
बना कर चले गए।
घर की हर छोटी सी चीज़ भी
आपकी याद दिलाती है।
कितना कुछ किया आपने
हमारे लिए हर चीज गवाह बन
जाती है।
घर के हर कोने से आप जदिगी
की सबसे मीठी याद देकर चले
गए।
सच तो ये है कि आप हम
ऋणी बनाकर चले गए।
कहते हैं कि पिता का दिल
कठोर होता है वो कभी नहीं
रोता है।
पर मेरे दूर जाने के गम में
पलकें भिगोते मैंने आपको
देखा है।
पिता की परिभाषा बदल
कठोरता को प्रेम में बदल कर
चले गए।
सच तो ये है की आप हमें
ऋणी बना कर चले गए।
मेरा बच्चा मेरे लिए ये करेगा
बचपन में ये हर मां बाप कहते
हैं।
कुछ भी नहीं कर पाए आपके
लिए आज भी इसलिए तड़पते
हैं।
अपने इस निस्वार्थ प्रेम में हम
सबको डूबो कर चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें
ऋणी बना कर चले गए।
जैसे जो मांगा सब कुछ दिया
है, उम्मीद है कि ये भी देंगे।
आपके ऋण कुछ उतारने का,
उम्मीद है आप अवसर देंगे।
लौटेंगे आप फिर हमारे बीच
अनजाने ही ये उम्मीद दे चले
गए।
सच तो ये है कि आप हमें
ऋणी बना कर चले गए।

बदलते मौसम में सर्दी-खांसी और जुकाम से ना हो परेशान, अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

इससे गले को राहत प्राप्त होती है तथा खांसी से भी आराम प्राप्त होता है। यह भी बहुत पुराना नुस्खा है।

खांसी-जुकाम प्रत्येक परिवर्तित होते मौसम के साथ आने वाली परेशानी भी लाते है। खांसी बैक्टीरियल अथवा वायरल इन्फेक्शन, ऐलर्जी, साइनस इन्फेक्शन या ठंड की वजह से हो सकती है मगर हमारे देश में हर परेशानी के लिए लोग चिकित्सकों के पास नहीं जाते। हमारी ही किचन में कई ऐसे घरेलु नुस्खे होते हैं जिनसे खांसी-जुकाम जैसी छोटे-मोटे रोग ठीक हो जाते हैं। तो आइए हम आपको बताते हैं खांसी-जुकाम के घरेलू नुस्खे...

शहद, नींबू तथा इलायची का मिश्रण

आधा चम्मच शहद में एक चुटकी इलायची पाउडर तथा कुछ बूंद नींबू के रस की बूंदे डालिए। इस सिरप का दिन में 2 बार सेवन करें। आपको खांसी-जुकाम से बहुत राहत प्राप्त होगी।

गर्म पानी

जितना हो सके गर्म पानी पिएं। आपके गले में जमा कफ खुलेगा तथा आप अच्छा महसूस करेंगे।

गर्म पानी और नमक से गरारे

गर्म पानी में चुटकी भर नमक मिला कर गरारे करने से खांसी-जुकाम के चलते बहुत राहत प्राप्त होती है। इससे गले को राहत प्राप्त होती है तथा खांसी से भी आराम प्राप्त होता है। यह भी बहुत पुराना नुस्खा है।

शहद और ब्रैंडी

ब्रैंडी तो पहले ही शरीर गर्म करने के लिए जानी जाती है। इसके साथ शहद मिलाने से जुकाम पर बहुत प्रभाव होगा।

मसाले वाली चाय

अपनी चाय में अदरक, तुलसी, काली मिर्च मिला कर चाय का सेवन कीजिए। इन तीनों तत्वों के सेवन से खांसी-जुकाम में बहुत राहत प्राप्त होती है।

हाई ब्लड प्रेशर की परेशानी से छुटकारा दिलाएगा लहसुन

लहसुन का इस्तेमाल खाने के स्वाद को बढ़ने के लिए जाता है, इसके इस्तेमाल से किसी भी सब्जी का स्वाद दोगुना हो जाता है, पर क्या आपको पता है की लहसुन हमारी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है, ये एक नेचुरल औषधि के रूप में काम करता है जिसके सेवन से कई बिमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है. आज हम आपको लहसुन के कुछ ऐसे घरेलु नुस्खों के बारे में बताने जा रहे है जिनके इस्तेमाल से आप कई बिमारीयो से छुटकारा पा सकते है.

» नियमित रूप से सुबह खाली पेट लहसुन के साथ शहद का सेवन करने से शारीरिक क्षमता बढ़ती है.

» अगर आपको हाई ब्लड प्रेशर समस्या है तो रोज़ाना लहसुन की दो कलियों का सेवन सुबह खाली पेट में करे. ऐसा करने से आपका ब्लड प्रेशर हमेशा कंट्रोल में रहेगा.

» बहुत से लोगो को स्किन में फंगल इंफेक्शन की समस्या हो जाती है, ऐसे में नियमित रूप से सुबह खाली पेट में लहसुन का सेवन करे, लहसुन में भरपूर मात्रा में एंटी बैक्टीरियल गुण होते है जिसके कारण इसके सेवन से फंगल इन्फेक्शन से छुटकारा मिलता है.

» जिन लोगों को कोलोस्ट्रोल की समस्या है उनके लिए भी सुबह खाली पेट में लहसुन का सेवन बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है, नियमित रूप से सुबह खाली पेट में लहसुन की दो कलियों का सेवन करने से कोलोस्ट्रोल हमेशा कण्ट्रोल में रहता है.

कोलेस्ट्रोल को कण्ट्रोल में रखती है लाल प्याज

कोलेस्ट्रॉल का काम हमारे बॉडी सेल्स को स्वस्थ रखने का काम करता है, पर अगर बॉडी में कोलोस्ट्रोल का लेवल बढ़ जाये तो बॉडी को सारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। आज के समय में गलत जीवनशैली और गलत खान पान के कारण बहुत से हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या का सामना कर रहे है, इसके अलावा मोटापा, धुम्रपान, शराब का सेवन, उम्र बढ़ना, जेनेटिक्स, ब्लड सर्कुलेशन ठीक से न होना, मधुमेह, किडनी और लिवर का खराब होना आदि चीजे भी हाई कोलोस्ट्रोल का कारण हो सकती है। अपनी बॉडी में कोलेस्ट्रॉल को कण्ट्रोल में रखने के लिए दवाओं का सेवन करते है जिससे उनकी बॉडी में बहुत से साइड इफ़ेक्ट हो सकते है, इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलु नुस्खों के बारे में बताने जा रहे है जिससे आपकी बॉडी में कोलोस्ट्रोल का लेवल हमेशा कण्ट्रोल में रहगी।

1- धनिया के बीज बॉडी में कोलेस्ट्रॉल की समस्या को कम करने में मदद करते है, धनिया के बीज बेड कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स के लेवल को कम करने में सहायक होते है। बॉडी में कोलेस्ट्रॉल को कण्ट्रोल में रखने के लिए एक बर्तन में पानी लेकर गैस पर रखे जब ये पानी उबलने लगे तो इसमें 2 चम्मच धनिया के बीज डाल दे, जब ये पानी अच्छे से उबल जाये तो इसे आंच से उतारकर छान ले, जब ये पानी ठंडा हो जाये तो इसका सेवन करे, नियमित रूप से धनिये का पानी पीने से आपकी बॉडी में कोलेस्ट्रॉल का लेवल हमेशा कण्ट्रोल में रहेगा।

2- लाल प्याज के सेवन से भी हाई कोलेस्ट्रॉल की समयसा से भी छुटकारा पाया जा सकता है, इसके लिए 1 चम्मच प्याज के रस में शहद मिलाकर सेवन करे, आप चाहे तो प्याज को बारीक काटकर छाछ में डालकर कर भी पी सकते हैं। इससे भी बॉडी में कोलेस्ट्रॉल का लेवल हमेशा कण्ट्रोल में रहता है।

3- सेहत के लिए सेब के सिरके का सेवन बहुत फायदेमंद होता है, नियमित रूप से सुबह खाली पेट में एक गिलास हल्के गर्म पानी में एक चम्मच सेब के सिरके को डालकर पिए।

घरेलू नुस्खे से दूर भगाएं पसीने की बदबू

ज्यादातर लोगों को पसीना आने की समस्या होती है ।वैसे तो यह एक आम समस्या है पर कुछ लोगों के पसीने से बहुत ज्यादा गंदी स्मेल आती है। कभी-कभी पसीने की बदबू के कारण लोगों के सामने शर्मिंदा भी होना पड़ता है। लोग पसीने की बदबू से छुटकारा पाने के लिए परफ्यूम और डियोड्रेंट का इस्तेमाल करते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं जिनके इस्तेमाल से आप पसीने की बदबू से छुटकारा पा सकते हैं।

1- पसीने की बदबू से छुटकारा पाने के लिए आलू के एक टुकड़े को अपने अंडर आर्म्स पर रगड़ें। लगातार कुछ दिनों तक ऐसा करने से आपके पसीने से आने वाली बदबू दूर हो जाएगी।

2- फिटकरी और पुदीने के इस्तेमाल से भी पसीने की बदबू दूर हो जाती है। इसके लिए नहाने के पानी में फिटकरी और पुदीने की पत्तियां डाल दें। अब आधे घंटे बाद इस पानी से नहाए। कुछ दिनों तक लगातार इस पानी से नहाने से आपकी पसीने की बदबू दूर हो जाएगी।

3- अपने नहाने के पानी में इत्र और गुलाब जल मिलाकर नहाए। इत्र और गुलाब जल मिलाकर नहाने से आपके शरीर में ताजगी और ठंडक बनी रहेगी। जिससे आपके शरीर से पसीने की बदबू नहीं आएगी।

4- बर्फ का इस्तेमाल करने से पसीना कम आता है। घर से बाहर निकलने से पहले अंडर आर्म्स पर बर्फ लगाएं। ऐसा करने से आपको पसीना नहीं आएगा।

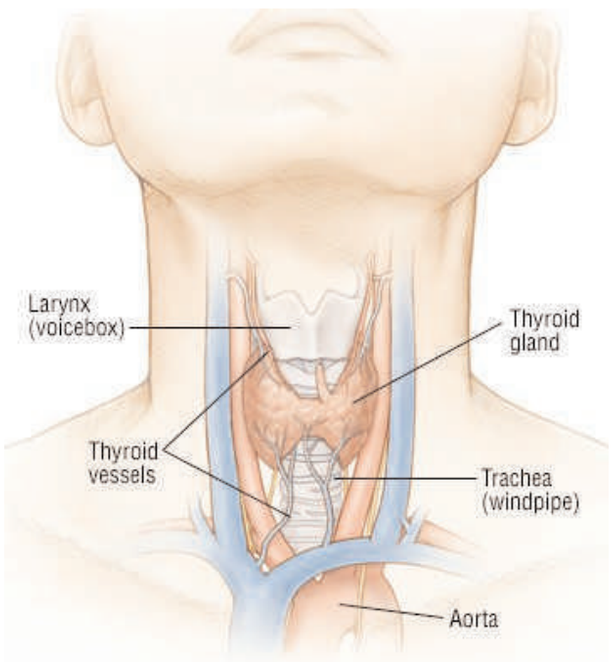

इन तरीकों से दूर होगी थायराइड की समस्या

आजकल ज्यादातर लोग थायराइड की बीमारी से परेशान रहते हैं। थायराइड ग्रंथि थायरोक्सिन नामक हार्मोन से बनती है। थायराइड साइलेंट किलर होता है। इसके लक्षण बहुत देर से नजर आते हैं। ज्यादातर लोग थायराइड की बीमारी का इलाज करने के लिए महंगी महंगी दवाइयों का सेवन करते हैं। जिसमें उनके बहुत सारे पैसे खर्च हो जाते हैं, और सेहत को बहुत सारे साइड इफेक्ट भी हो सकते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताने जा रहे हैं जिनके इस्तेमाल से आप थायराइड की समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

■ अदरक हमारी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। अदरक में भरपूर मात्रा में पोटेशियम, मैग्नीशियम मौजूद होते हैं जो थायराइड की समस्या से छुटकारा दिलाने में मदद करते हैं। अदरक में मौजूद एंटी इंफ्लेमेटरी के गुण थायराइड को बढ़ने से रोकते हैं और उसकी कार्यप्रणाली में सुधार लाते हैं।

■ थायराइड की बीमारी में दूध और दही का सेवन फायदेमंद होता है। दूध दही में भरपूर मात्रा में कैल्शियम और विटामिन मौजूद होते हैं जो थायराइड की समस्या से छुटकारा दिलाने में मदद करते हैं।

■ थायराइड के मरीजों को बहुत जल्दी थकान महसूस होने लगती है। इसलिए थायराइड के मरीजों के लिए मुलेठी का सेवन करना लाभदायक होता है। मुलेठी में भरपूर मात्रा में कुछ ऐसे गुण मौजूद होते हैं जो थायराइड ग्रंथि को कंट्रोल करते हैं। मुलेठी का सेवन करने से शरीर का एनर्जी लेवल बढ़ता है। मुलेठी थायराइड में कैंसर की समस्या से भी बचाव करता है।

टमाटर के सेवन से मिलेगा जोड़ो के दर्द से मिलेगी राहत

कभी कभी हमारे खान पान का प्रभाव भी जोड़ो के दर्द को प्रभावित करता है। यही कारण है की जोड़ो के दर्द की समस्या में आपको कुछ फूड्स खाने से डॉक्टेर द्वारा मना कर दिया जाता है, ताकि आप जल्द ही सही हो सके। आइये जानते हैं की जोड़ों के दर्द में कौन कौन से फूड्स हमें नहीं खाने चाहिए।

1-जिन लोगों को जोड़ों के दर्द की प्रॉब्लम रहती हैं उनको कभी भी आर्टिफिशियल शुगर का प्रयोग नहीं करना चाहिए, इससे उनके वजन में बढ़ोत्तरी नहीं होती है और उनको इस समस्या से छुटकारा मिलने में आसानी होती है ।असल में इनमें उच्च मात्रा में प्रोटीन होती है जो की आपके मांसपेशियों में सूजन और दर्द का कारण बन सकता है और साथ ही आपका वजन भी बढ़ा सकता है इसलिए आप इस प्रकार से उत्पादों का प्रयोग न करें।

2-टमाटर में यूरिक एसिड की उच्च मात्रा होती हैं, जो की जोड़ो के दर्द के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। इससे आपका जोड़ो का दर्द बढ़ जाता है तथा आपके पैरो में सूजन आ सकती है इसलिए इसके सेवन से बचें।

3-कुछ खास प्रकार के वेजिटेबल ऑयल जैसे कॉर्न ऑयल,सूरजमुखी ऑयल या सोयाबीन ऑयल आदि में वसा की मात्रा बहुत ज्यादा होती है जिससे शरीर का वजन बढ़ जाता है और आपके पैरो पर अधिक जोर पड़ता है इसलिए इस प्रकार के ऑयल्स से खाना बनाने से बचना चाहिए।

प्रियंका गांधी से मिलने सीतापुर पहुंचे राहुल, यहां से दोनों किसानों से मिलने जाएंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज लखनऊ

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बहन प्रियंका गांधी से मिलने सीतापुर पहुंच गए हैं। यहां से दोनों नेता लखीमपुर खीरी जाएंगे। पंजाब और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भी इनके साथ हैं। इससे पहले राहुल गांधी ने एयरपोर्ट पर ही धरना दिया। प्रशासन की तरफ से लखीमपुर जाने की इजाजत मिलने के बाद भी राहुल के धरने को लेकर भ्रम की स्थिति बन गई। इसके बाद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि लखीमपुर तक अपनी गाड़ियों में जाने की इजाजत मिलने पर ही वे एयरपोर्ट से रवाना होंगे। काफी देर बाद प्रशासन ने इसकी इजाजत दी। इसके बाद राहुल गांधी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी लखीमपुर के लिए रवाना हो गए। उनके साथ कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और पार्टी प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला भी सीतापुर होते हुए लखीमपुर जाएंगे। बताया जा रहा है कि दोनों एक साथ सड़क के रास्ते अपने काफिले के साथ लखीमपुर खीरी जाएंगे। राहुल सबसे पहले हिंसा में मारे गए पत्रकार के घर जाएंगे फिर किसानों के घर जाकर मुलाकात करेंगे। राहुल गांधी रेगुलर पैसेंजर फ्लाइट से दिल्ली से लखनऊ पहुंचे थे। यहां से उन्हें पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ लखीमपुर जाना था। इसी दौरान करीब एक घंटे तक राहुल के आने और एयरपोर्ट पर ही मौजूद रहने का घटनाक्रम चलता रहा।

प्रियंका गांधी 24 घंटे बाद रिहा, लखीमपुर जाएंगी

यूपी के लखीमपुर खीरी में मारे गए किसानों के परिजन से मिलने जा रहीं प्रियंका गांधी को गिरफ्तारी के 24 घंटे बाद रिहा कर दिया गया है और लखीमपुर जाने की इजाजत भी मिल गई है। प्रियंका को सोमवार सुबह सीतापुर में हिरासत में लेने के बाद मंगलवार को गिरफ्तार किया गया था। प्रियंका ने सोशल मीडिया के जरिए बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि किसानों को कुचलने वाले खुलेआम घूम रहे हैं। किसानों के लिए न्याय की आवाजों को भाजपा सरकार कैद कर रही है, लेकिन हम न्याय की आवाज दबने नहीं देंगे।

अमित शाह ने अजय मिश्र से मुलाकात की

लखीमपुर खीरी में हिंसा की घटना को लेकर मचे बवाल के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र से मुलाकात की है। बता दें मिश्र के बेटे आशीष पर लखीमपुर खीरी में किसानों को गाड़ी से कुचलने का आरोप है और विपक्ष मांग कर रहा है कि अजय मिश्र को मंत्री पद से हटाया जाना चाहिए। दिल्ली पहुंचे अजय मिश्र से पत्रकारों ने जब सवाल किए कि विपक्ष आपका इस्तीफा मांग रहा है, तो वे बिना कुछ बोले आगे बढ़ गए। हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि अजय मिश्र से इस्तीफा नहीं लिया जाएगा। वहीं सूत्रों का कहना है कि उनके बेटे आशीष की जल्द गिरफ्तारी हो सकती है। किसान संगठन लगातार इसकी मांग कर रहे हैं और किसानों के दबाव के चलते सरकार एक्शन ले सकती है। पंजाब और छत्तीसगढ़ सरकार ने ऐलान किया है कि लखीमपुर खीरी में मारे गए लोगों के परिजन को 50-50 लाख रुपए दिए जाएंगे। यानी दोनों राज्य सरकारों की तरफ से हर परिवार को कुल 1 करोड़ रुपए की मदद मिलेगी। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने केंद्र और यूपी सरकार पर हमला बोला है। केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मंत्री के बेटे की गाड़ी आई और किसानों को रौंदकर चली गई। इसके बावजूद हत्यारों को बचाया जा

UP में अपराधियों को खुली छूट मिली है: राहुल गांधी

लखीमपुर खीरी में किसानों के प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने क्क सरकार के साथ ही केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा है कि क्क में किसानों को कुचला जा रहा है और आरोपियों पर एक्शन नहीं लिया जा रहा। राहुल गांधी ने कहा, कुछ समय से हिंदुस्तान के किसानों पर सरकार का आक्रमण हो रहा है। एक तो किसानों को जीप के नीचे कुचला जा रहा है। उनका मर्डर किया जा रहा है। BJP के होम मिनिस्टर की बात हो रही है उनके पुत्र की बात हो रही है। उन पर कोई एक्शन नहीं हो रहा। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल गांधी के साथ मंच पर छत्तीसगढ़ के CM भूपेश बघेल और पंजाब के ष्टरूचरणजीत चन्नी मौजूद थे। बघेल पिछड़े समुदाय से हैं और चन्नी दलित समुदाय से। ऐसे में राहुल के साथ उनकी मौजूदगी को लेकर कई कयास लगाए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि राहुल ने ये मैसेज देने की कोशिश की है कि वे पिछड़े और दलितों को साथ लेकर चलते हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल गांधी के साथ मंच पर छत्तीसगढ़ के ष्टरूभूपेश बघेल और पंजाब के CM चरणजीत चन्नी मौजूद थे। बघेल पिछड़े समुदाय से हैं और चन्नी दलित समुदाय से। ऐसे में राहुल के साथ उनकी मौजूदगी को लेकर कई कयास लगाए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि राहुल ने ये मैसेज देने की कोशिश की है कि वे पिछड़े और दलितों को साथ लेकर चलते हैं। लखीमपुर खीरी हिंसा के मामले में आरोपी आशीष मिश्र के पिता और केंद्रीय राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी ने कहा है कि उनका बेटा कार में नहीं था। कार पर हमले में ड्राइवर घायल हो गया और कार बेकाबू होकर वहां मौजूद लोगों पर चढ़ गई। जिन लोगों की जान गई उनके प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। इस मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। टेनी ने उस वायरल ऑडियो पर भी सफाई दी है, जिसमें वे कथित तौर पर किसानों को अपशब्द कह रहे हैं।

चीन पर फिर शक, कोरोना उसने ही फैलाया: महामारी से पहले ही खरीद ली थीं दोगुना टेस्ट किट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज वुहान

कोरोना की उत्पत्ति पर लगातार हो रहे खुलासों ने चीन को कटघरे में खड़ा किया है। चीन पहले ही कोरोना की उत्पत्ति के समय को लेकर बयान बदलता आया है और अब एक नए खुलासे ने चीन की भूमिका को पहले से ज्यादा संदिग्ध बना दिया है। ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका की जॉइंट साइबर सिक्योरिटी फर्म ने कोरोना के चीनी कनेक्शन को लेकर रिसर्च के आधार पर एक दावा किया है। दावे के मुताबिक चीन ने कोरोना का पहला केस आने की जो तारीख बताई, उससे एक महीने पहले वहां के एक प्रांत में कोरोना टेस्टिंग उपकरणों की बड़ी तादाद में खरीदी की गई। सिक्योरिटी फर्म इंटरनेट-2.0 के मुताबिक चीन के हूबेई प्रांत में 2019 में क्कष्टक्र (पॉलीमर चेन रिएक्शन) टेस्ट किट की डिमांड अचानक बढ़ गई। 2019 में हुबेई प्रांत में ऋ्ल-क्कष्टक्र टेस्ट पर 67.4 मिलियन युआन (10.5 मिलियन डॉलर) खर्च किए गए, जो 2018 में हुई टेस्टिंग से दोगुने थे। इसे हम ऋ्ल-क्कष्टक्रटेस्ट के नाम से भी जानते हैं।

वुहान में ही मिला था पहला केस

RT-PCR टेस्ट को कोरोना संक्रमण की जांच के लिए सबसे सटीक जांच माना जाता है। इसमें वैज्ञानिक ष्टह्व सैंपल की स्क्रीनिंग कर इंफेक्शन का पता लगाते हैं। सबसे ज्यादा टेस्ट किट हूबेई के वुहान शहर में खरीदी गईं। चीन ने इस शहर में ही पहला कोरोना केस मिलने का दावा किया था।

कोरोना को चीन ने पहले निमोनिया बताया: 31 दिसंबर 2019 को चीन ने विश्व स्वास्थ्य संगठन को बताया था कि उन्हें वुहान शहर में निमोनिया का एक अजीब केस मिला है। 7 जनवरी 2020 को चीन ने आधिकारिक तौर पर कोरोना का नया वैरिएंट

स्लोवेनिया के प्रधान मंत्री जेनेज़ जानसा, फ्रंट सेंटर लेफ्ट, और यूरोपीय काउंसिल के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल, फ्रंट सेंटर राइट, स्लोवेनिया के ंज में ब्रोडो कांग्रेस सेंटर में एक यूरोपीय संघ के शिखर सम्मेलन में एक समूह फोटो के दौरान यूरोपीय संघ और पश्चिमी बाल्कन के नेताओं के साथ खड़े हैं। यूरोपीय संघ के नेता बाल्कन क्षेत्र के छह देशों को आश्वस्त करने के लिए बुधवार को इकट्ठा हो रहे हैं कि वे एक दिन व्यापारिक ब्लॉक में शामिल हो सकते हैं यदि वे इसके मानकों को पूरा कर सकते हैं, लेकिन इस बारे में कोई संकेत देने की संभावना नहीं है कि वे अपनी खोज में कब आगे बढ़ सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

ISI चीफ फैज हमीद की छुट्टी, इमरान के चहेते थे, US और आर्मी चीफ बाजवा बिफरे हुए थे

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान में तालिबान की जबरिया हुकूमत बनवाने में मदद करने वाले पाकिस्तान के इंटेलिजेंस चीफ जनरल फैज हमीद को पद से हटा दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंटर सर्विस इंटेलिजेंस यानी ड्डस्ड्ड चीफ फैज पिछले महीने आर्मी चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा से मंजूरी लिए बगैर काबुल गए थे। वहां तालिबान नेताओं के साथ सेरेना होटल में टी-पार्टी अटैंड की थी। आरोप है कि उन्होंने वहां तालिबान की हुकूमत कायम करने में मदद की थी। जनरल फैज इमरान खान की पसंद थे और अगले साल आर्मी चीफ बनने वाले थे। बताया जाता है कि उनकी काबुल यात्रा से जनरल बाजवा के अलावा अमेरिका भी काफी नाराज था। जनरल नदीम अंजुम ISI के नए चीफ होंगे।

तनातनी की खबरें लंबे वक्त से थीं: जनरल हमीद को हटाए जाने की खबरें लंबे वक्त से गर्दिश कर रही थीं, लेकिन आर्मी की दबदबे के चलते पाकिस्तान का मेन मीडिया इन खबरों को दबा रहा था। हमीद को पेशावर कॉर्प्स कमांडर का चीफ बनाकर भेजा गया है। आर्मी चीफ ने टॉप लेवल पर कुछ और फेरबदल भी किए हैं। ये भी सही है कि जनरल हमीद और बाजवा के बीच तनातनी की खबरें काफी पहले से चल रही हैं। माना जा रहा है कि तीन साल पहले रावलपिंडी में आर्मी के एक हाउसिंग प्रोजेक्ट को लेकर दोनों के बीच मतभेद शुरू हुए थे। बाद में जब इमरान ने बाजवा को तीन साल का एक्सटेंशन दिया तो यह रस्साकशी खुलकर मुल्क के सामने आ गई। फैज कई बार बाजवा को भरोसे में लिए बगैर फैसले करने लगे थे।

जम्मू के पुंछ जिले के बालाकोट इलाके में सेना के जवानों ने मोर्टार के जिंदा गोले को नष्ट किया।

महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक का आरोप- आर्यन के साथ सेल्फी लेने वाला और अरबाज को घसीट कर ले जाने वाला भाजपा नेता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक ने क्रूज रेव पार्टी में बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान के साथ सेल्फी लेने वाला शख्स केपी गोसावी असल में भाजपा का कार्यकर्ता है। उन्होंने यह भी कहा है कि आर्यन के दोस्त और सह अभियुक्त अरबाज को घसीट कर NCB ऑफिस में ले जाने वाला शख्स मनीष भानुसाली भी भाजपा का पदाधिकारी है। मलिक ने बुधवार को महाराष्ट्र एनसीपी कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि मनीष भानुसाली 21 सितंबर को दिल्ली में एक केंद्रीय मंत्री के साथ था। 22 सितंबर को वह गांधीनगर में क्कछ्कक के एक मंत्री के साथ था। उन्होंने भानुशाली के सोशल मीडिया प्रोफाइल के आधार पर आरोप लगाया कि वह खुद को क्कछ्कक का उपाध्यक्ष बताता है। इसके साथ ही गोसावी के बारे में मलिक ने कहा कि वह बहुत बड़ा फ्रॉड व्यक्ति है। वह खुद को प्राइवेट डिटेक्टिव बताता है। जबकि उसके खिलाफ पुणे में फर्जीवाड़ा का केस दर्ज है। मलिक ने यह भी कहा कि मनीष भानुशाली की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस के साथ तस्वीरें थीं। उन्होंने पूछा कि आखिर ऐसा कैसा हो सकता है कि भाजपा के एक नेता आर्यन खान को घसीट कर अपने साथ ले जा रहा है। इस बात का जवाब ह्यष्टक्रको देना चाहिए। नवाब मलिक का दावा है कि गोसावी भाजपा का कार्यकर्ता होने के साथ एक प्राइवेट डिटेक्टिव भी है।

नवाब मलिक का दावा है कि गोसावी भाजपा का कार्यकर्ता होने

लालू के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव RJD से आउट, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी ने किया दावा

हाजीपुर। लालू की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। लालू के बड़े बेटे तेज प्रताप ने प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद पर कई आरोप लगाने के बाद पार्टी के कार्यालय आना बहुत पहले से बंद कर दिया है। लालू को बंधक बनाने का आरोप लगाते हुए पिछले दिनों छोटे भाई तेजस्वी पर भी निशाना साधा था। अब राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी ने तेज प्रताप को लेकर बड़ी बात कह दी है। हाजीपुर के राजद कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान एक सवाल के जवाब में शिवानंद तिवारी ने कहा कि तेज प्रताप पार्टी में नहीं हैं। कहा कि उन्होंने तो एक नया संगठन खड़ा किया है।शिवानंद ने कहा कि तेजप्रताप यादव खुद राजद से आउट हो चुके हैं।

लखीमपुर खीरी पर सियासी जंग तेज

नेताओं के बीच बयानों के बाण; कांग्रेस ने उठाए पोस्टमॉर्टम पर सवाल तो संबित पात्रा ने कहा डॉक्टर नहीं हैं राहुल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश चुनाव से पहले लखीमपुर खीरी में सियासी जंग तेज हो गई है। राहुल लखनऊ एयरपोर्ट पर धरना देने के बाद लखीमपुर खीरी के लिए निकल चुके हैं। काफी आनाकानी के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने राहुल और प्रियंका गांधी को लखीमपुर खीरी जाने की इजाजत दी। उधर, दिल्ली में विवाद में फंसे केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र गृह मंत्री अमित शाह से मिलने पहुंचे, लेकिन बुधवार को इससे पहले पक्ष और विपक्ष के बीच बयानों के बाण चले। सबसे पहले राहुल गांधी, फिर उत्तर प्रदेश के प्रवक्ता और कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह, BJP प्रवक्ता संबित पात्रा और उसके बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तरफ से बयानबाजी हुई। आइए सिलसिलेवार तरीके से देखते हैं कि इन नेताओं ने क्या-क्या बोला।

हमें मार दीजिए, गाड़ दीजिए, फर्क नहीं पड़ता- राहुल गांधी: राहुल गांधी ने सरकार पर तानाशाही का आरोप लगाया। सुबह करीब साढ़े 10 बजे राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। राहुल से जब प्रियंका के साथ पुलिस के बुरे बर्ताव से जुड़ा सवाल किया गया तो उन्होंने जवाब दिया- हमें मार दीजिए, गाड़ दीजिए, हमारे साथ बुरा बर्ताव कीजिए, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हमारी ट्रेनिंग ही ऐसी है। मुद्दा अगर किसानों का है, हम उनकी बात करते रहेंगे।

सिखों का नरसंहार कांग्रेस के शासन में ही हुआ- सिद्धार्थनाथ सिंह: उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री और राज्य में क्कछ्कक के प्रवक्ता सिद्धार्थनाथ सिंह ने कांग्रेस पर कटाक्ष किया। राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद सिंह ने कहा, युवराज को जोश आया कि बहन तो है ही, मैं कहां हूं। इसलिए मैं भी पर्यटन पर निकलता हूं। उन्होंने कहा कि युवराज उस वक्त बहुत छोटे रहे होंगे, भूल जाते होंगे। इस आजाद देश में ही आपातकाल के दौरान नरसंहार हुआ। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद सिख समुदाय का फिर नरसंहार किया गया। तब क्कछ्कक उन सिख समुदाय के साथ खड़ी हुई। मोदी सरकार सिखों के लिए ष्ट बिल लाई, लेकिन तब कांग्रेस ने उसका विरोध किया। युवराज को नहीं भूलना चाहिए कि सिखों का नरसंहार कांग्रेस के शासन काल में हुआ है।

लखीमपुर में माहौल बनाने में कैसे चूके अखिलेश यादव, बाजी मार ले गईं प्रियंका गांधी?

नई दिल्ली। लखीमपुर खीरी में रविवार को भाजपा नेताओं के काफिल की कार से किसानों के कुचले जाने और फिर हिंसा में 4 अन्य लोगों के मारे जाने का मुद्दा यूपी की सियासत को गरमा रहा है। यही नहीं इस मामले ने अब तक कमजोर दिख रही कांग्रेस को एक तरह से राजनीतिक संजीवनी प्रदान की है। 2017 से ही प्रियंका गांधी को पश्चिमी यूपी का प्रभारी बनाया गया था। तब से ही वह इस इलाके में सक्रिय थीं, लेकिन ऐसा पहली बार देखने को मिल रहा है, जब वह मजबूती के साथ चर्चा में भी हैं। यही नहीं प्रियंका गांधी को लखीमपुर जाने से रोकने, गिरफ्तार करने की भी राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा हुई है। महाराष्ट्र में शिवसेना, एनसीपी से लेकर कश्मीर में महबूबा मुफ्ती तक

मुंबई के बाणगंगा तालाब में 'सर्वपितृ अमावस्या' के दौरान लोग अपने पूर्वजों के लिए अनुष्ठान करते हैं।

इंद्रधनुष से कलम

इंद्रधनुष को बनाकर कलम
प्रकृति के सब स्वांग लिख दूंगी
इन झूमती घटाओ का अभिमान
लिख दूंगी
चली मैं पर्वतों के उस और जब
देखने प्रकृति की जादूगरी
झूम रहे यह वृक्ष कैसे
खिल रही गुनगुनी यह धूप
खिल रहे यह पुष्प कैसे
पड़ी है ओस की बूंदे यू
कि जैसे पुष्प की पंखुड़ियां नहाई
लग रहा यू कि जैसे
नई नवेली दुल्हन सज संवर कर
बस अभी अभी आई भवरे कर रहे हैं
तीव्र गुंजन लगा रहे हैं फेरे
मानो मिलन बेला निकट आई
खो रहे सुध बुध अपनी इस कदर क्यों
आज यह अरमान लिख दूंगी
इंद्रधनुष्य को बनाकर कलम
प्रकृति के सब स्वांग लिख दूंगी
दूर बैठे पक्षी झूलती लताओं पर
कर रहे अठखेलिया कभी साथ उड़ते
तो कभी साथ झूलते रंगीन फूलों का
करते रसास्वादन
कभी पल में बिछड़ कर
पल में मिलकर
व्यक्त करते खुशी अपनी
बना है प्रकृति का हर तिनका
इतना प्यारा कैसे
आज यह अंदाज़ लिख दूंगी
इंद्रधनुष को बनाकर कलम
प्रकृति के सब स्वांग लिख दूंगी
निरंतर चलती हुई चीटियों से पूछो
इन का हाल कभी
क्यों यह रुकती या थकती नहीं
कैसे चलती है जिंदगी पंक्तियों में
अनुशासन में रहकर करती
यह काम सभी सीख देती हैं प्रेम, धैर्य
साहस और समर्पण का
बस आज यही पैगाम लिख दूंगी
इंद्रधनुष को बनाकर कलम
प्रकृति के सब स्वांग लिख दूंगी ॥

इंटीग्रेटेड ट्रेड
हरित वीर अनुपम

हरित क्रांति

ये कदम कभी रूके नहीं
ये पल कभी थमे नहीं
तु चल, तु चल कि तेरे साथ
सारी दुनिया को आना ही होगा,
प्रकृति को बचाना है
अब हरित क्रांति लाना ही होगा ।

हौसला बुलंद है
मर-मिटने का आनंद है
अब तो आने वाली हर आन्धी को
उल्टे कदम लौटना ही होगा,
प्रकृति को बचाना है
अब हरित क्रांति लाना ही होगा ।

भीम सा पहाड़ हो
या हिम का सैलाब हो
हर चीज अब खंडित होगी
क्योंकि सामने हरित वीर की टोली होगी।

सागर के समान हर बुन्द को समेटता चल
तू गरज़, तू बरस, न थम, अब बढ़ता चल

है दुनिया तेरी राह देख रही
ना रूक, तू आगे निकलता चल

सिसक सिहर रही है दुनिया
अपने ही जालों में फंसती जा रही है दुनिया
तू आगाज़ कर, तू आवाह्न कर
नया संसार बसाने को
तेरे साथ उसे चलना ही होगा.

जीवन के पुराने ढर्रे को
उसे बदलना ही होगा
हर एक इंसान को हरित वीर
बनना ही होगा

साँसों को पूरा करना है तो
आगे बढ़ना ही होगा
प्रकृति को बचाना है
अब हरित क्रांति लाना ही होगा ।
अब हरित क्रांति लाना ही होगा ॥

इंटीग्रेटेड ट्रेड
हरित वीर तन्नु

प्रकृति का अनोखा सौंदर्य

हाँ मेरा रोम रोम खिल जाता है
जब तेरे साथ बिताया मेरा बचपन
मुझे याद आता है।
वो प्रकृति का अनोखा सौन्दर्य मेरे दिल
को छू जाता है.
आज भी हर त्योहार में जैसे
कुछ छूट सा जाता है
कि कैसे आंगन से लेकर घर के बाहर
तक,
फूलों की खुशबू से वातावरण भर जाता
था.
आज भी वो सावन याद आता है,
बेल पत्र और फूलों से सुबह होती,
मंदिर की थाली घर के फूलों से भरी
होती,
हाँ वो हरित आँचल आज भी मन को
लुभाता है.
जब मेरा वो बचपन याद आता है.
इनके साथ - साथ रहकर जो दुनियाँ
सजाई थी, मैंने ये सोच उदास हो जाती
हूँ.
वो सब क्यों आज खो दिया हमने.
चलो एक संकल्प का आगाज करते है,
जो अब तक ना किया वो आज करते
हैं.
प्रकृति को फिर से मिलकर सजाना है
हर सदस्य के नाम काअपने प्रांगण मे
एक एक पौधा लगाना है.
धीरे-धीरे परंपरा घर से बाहर लाना है.
एक हाथ से, फिर कल कई हाथ संग
होंगे, पूरा समाज, संसार संग होगा.
फिर एक दिन वो सुबह फिर से
आयेगी, चारों ओर हरियाली इस जहाँ
की रौनक बढ़ायेगी.
जो बचपन कभी बिताया था हमने
पीढ़ी उस प्रकृति मे फिर से खिल
खिलायेगी.

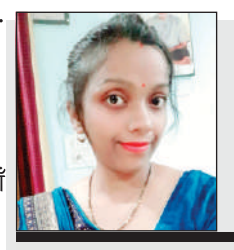
इंटीग्रेटेड ट्रेड
हरित वीर अंजलि

यदि लिखना आप चाहते हैं
ITDC हिंदी हैं हम. मीमांसा
में आपका स्वागत.

अंधाधुंध

अंधाधुंध क्यों जंगल काटे बने श्वास के हत्यारे।
सने हुए हैं धूल सितारे आंखें मीचे चांद खड़ा है।
घुटन करें, महसूस फिर भी, छोड़े अपनी
मांग खड़ा है।

हिरनी मुख कपड़े से ढांके, बंदर शहर पधारे।
ताप से होती बादल खुद, पी गए सारा पानी।
जगह जगह से चूनर पीली पड़ी धरा की धानी।

खेत भी उतर होते जाते बिन पानी के सारे।
अंगारे से बरस रहे हैं तरस रहे पक्षी पानी को।

कोस रहे हैं मन ही मन मानव की मनमानी को।
कोई इन्हें पढ़ा दे मानवता के पाठ जरा।

इंटीग्रेटेड ट्रेड
हरित वीर श्रद्धा

प्रेम जताना होगा

प्रेम है तो जताना पड़ेगा
धरा को अपनी सजाना पड़ेगा
यूँ ही कुछ ना होगा
तेरी मेरी बातों से
कुछ बीजों को कर अंकुरित
उन्हें धरा पर लगाना पड़ेगा.
लुभाता है जो चुनरी का हरा रंग
तो बन हरित वीर हाथों से अपने
धरा को चुनर पहनाना भी होगा
प्रेम जब आता है तो साथ
दायित्व नये लाता है
हमें भी धरा के प्रति
सभी कर्तव्यों को निभाना पड़ेगा
अभी तक भोगा सिर्फ माँ का प्रेम
अब संतान बन सुनो सभी
हरित वीर का परचम फैराना भी होगा

इंटीग्रेटेड ट्रेड
हरित वीर मीनाक्षी

प्रकृति बाहें फैलाये

आओ चलें फिर उस ओर
प्रकृति हो बाहे फैलाये जहाँ
पुकारती हो हमे,
मिलवाये हमे हम से।
नदीयां, पर्वत, खेत, खलियान
बहती जहां हो शीतल पवन
मिल सके जहां शीतल छांव ।
किसे पता है ऐसा गांव?

पर्वत ऊँचे गाते हो महानता का गीत
सागर की गहराई बताये
बनो सहनशील
फसलों में हरियाली छाई हो
हर शाम जहां फूलो की खुशबू
ने महकाई हो।

फिर सूखे पेड़ो पर हरयाली आयी हो
वायु जहां शुद्ध हो बहती।
चांदनी अपना सौंदर्य हो बीखेरती
रात छिपे और आभा जब मोहे
सूरज फैलाये अपना उजाला
मिलता जीवन का अमृतप्याला।

प्रकृति से भी है क्या सुंदर नज़ारा ।
आओ चलें फिर उस ओर
प्रकृति हो बाहे फैलाये जहाँ
पुकारती हो हमे , मिलवाये हमे हमसे।

इंटीग्रेटेड ट्रेड
हरित वीर श्रद्धा

आपकी चुप्पी कहीं, दर्द न बन जाए.
आवाज का साथ दीजिये।
आज ही जुड़ें,
किसी भी वृक्ष/पौधे के साथ एक सेल्फ़ी लें और मोबाइल +91 9826 22 00 22 पर भेजें।
green DONOR
www.greendonor.in

पर्यावरण

सजी धजी दुल्हन सी धरती
पेड़ पौधों का सुनहरा आवरण
पावन निर्मल लगे वातावरण
काश की आज भी ऐसा होता पर्यावरण।

पंछी उड़ते होके मगन
बसेरे की ना तनिक चिंतन
आखिर उनका भी तो है ये चमन
उनका भी है ये खिलखिलाता गगन
आखिर क्यों करना परे इन्हे पलायन
काश की उनके अनुकूल होता ये
पर्यावरण।

आओ सीखे इनसे समर्पण
देना ही है जिसका जीवन
अपना सहयोग करें इनको अर्पण
फिर से बनाये ऐसा मधुवन
हर प्राणी जहाँ पाए संरक्षण
धरती माता को लौटाए
फिर से ऐसा निर्मल पर्यावरण।

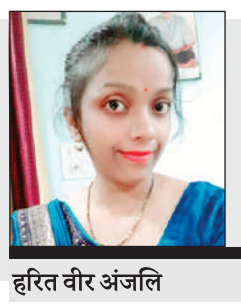
इंटीग्रेटेड ट्रेड
हरित वीर अंजलि

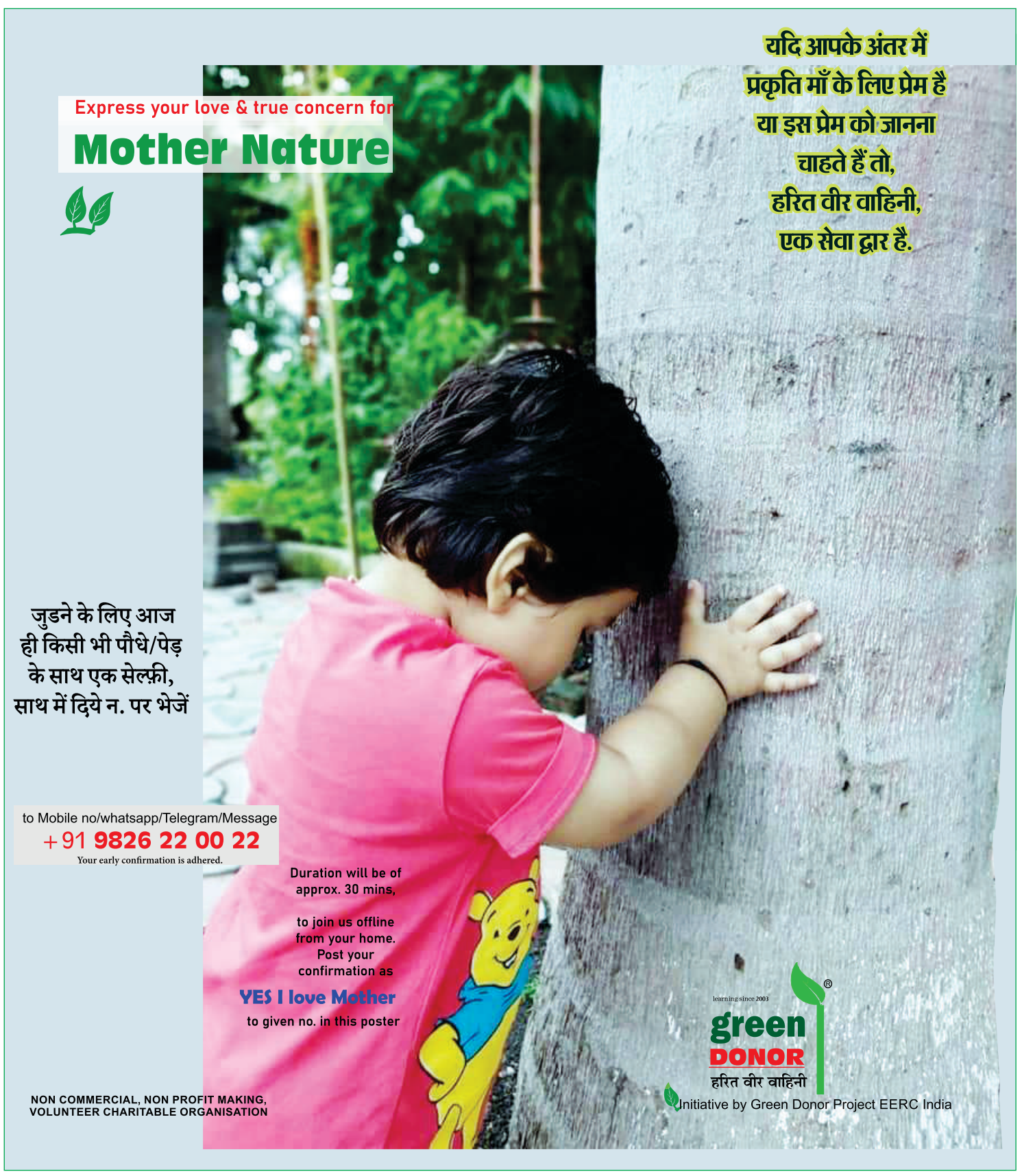

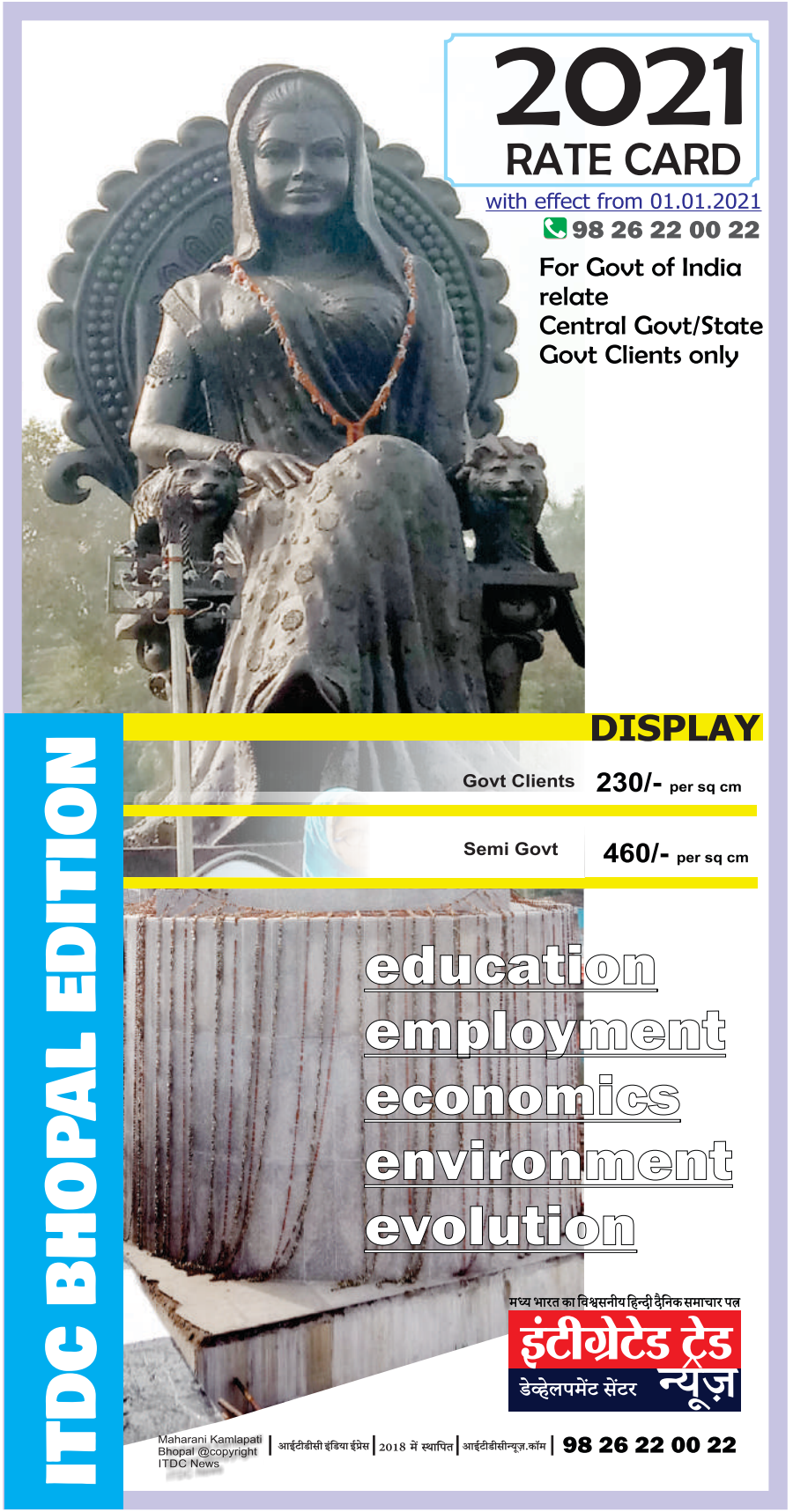

माँ की सेवा सवाल है तो आइये हम उत्तर बन जायें-वीर

एस डी वीरेन्द्र

पारिस्थितिकी शोधार्थी, प्रकृति चिन्तक एवं पर्यावरणविद वीरजी ने गत दिनों ग्रीन डोनर समिट21 को संबोधित किया. यह संभाषण का लेखन मात्र है.

मैं समझता हूँ, शक्ति ही सबकुछ है, और जहाँ शक्ति है वहां सुनवाई है, कार्यवाही है. ताकत, शक्ति, पॉवर, कुछ ऐसे शब्द हैं, जो सबकुछ कर सकते हैं। हम सभी इसी शक्ति की तलाश कर रहे हैं. यदि मॉ प्रकृति की सेवा करनी है, तो हमें यह शक्ति नाम की वस्तु/तत्व कहाँ मिलेगा, समझने का प्रयास करना है.

आज जब हम सभी साथ हैं, तब लगता है, वह शक्ति ज्यादा दूर नहीं है. इस शक्ति की बात, बाद में करेंगे, अभी बात करेंगे कि हम सभी को हरित वीर बनने की आवश्यकता क्यों पड़ी. अभी हाल ही में एक देश में, उसी देश के बहिष्कृत संगठन ने देश पर सीधा कब्ज़ा कर लिया. 190 देश देखते रहे, सबके अपने स्वार्थ थे.
ऐसा हमारे देश के साथ भी कई बार हुआ।
मुग़ल लुटेरे आये, हमारी चहारदीवारी की कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी, देश लुटता रहा.

हमारे देश में एकीकरण (इंटीग्रेशन) नहीं था, हम आपस में भी बिखरे हुए थे। हम एक नहीं थे. हम हमारी ही माँ को लुटता देखते रहे. सोचते रहे, 'वह तो भारत मां का पैर लूट रहा है, मैं तो मुकुट हूँ, मुझे क्या'. यही होता रहा.

आज, इसी भावना ने फिर से पड़ोसी मुल्क पर, देश की चुनी सरकार को आततायियों के हाथों उजड़ते देखा, नेताओं को देश छोड़ कर भागते देखा.
सबने देखा है कि एकीकरण न होने पर कोई भी लूट लेता है, कब्ज़ा कर लेता है. सब जानते हुए भी हम सब वही कर रहे हैं, फिर कहते हैं, हम हरित वीर क्यों बनें .

इथोपिया में अकाल है,... कोई बात नहीं, हमें क्या. चेन्नई में पानी 2000 फीट तली में पहुँच गया,...हमें क्या.
जब हम बिना जरूरत एसी चलाते हैं, तब हम क्या कर रहे हैं? क्या हमें नहीं पता नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत (रिन्यूएबल एनर्जी सोर्स) कितने कम हैं? हम सब वह बन रहे हैं, जैसे एक परिवार किसी जगह पानी बढ़ने पर केवल ऊँचे और ऊँचे स्थानों पर मकान शिफ्ट करता जाता है, पर यह कभी नहीं सोचता कि हर साल डूब में मेरा घर ही क्यों आता है.
और एक दिन इसी गलती की सजा उसे मिलती है. सबसे ऊँची जगह भी एक दिन डूब जाती है।
यही हम भी कर रहे हैं, पानी हम तक तो नहीं आया, हम हरित वीर क्यों बनें?
'कोई बात नहीं, आज नहीं तो कल, वह दिन आएगा तो जरुर. भले आपको- मुझे न डुबाये, पर मेरी- आपकी आने वाली पीढ़ी को जरुर डुबायेगा, तब वह हमें प्यार से याद नहीं करेंगे, बुरा ही कहेंगे.
चाहे उस समय मैं और आप नरक में हों या किसी खूबसूरत जन्नत में, सुनना पक्का है.
पड़ोसी देश में इतिहास की इतनी बड़ी घटना हो गई, कोई नहीं बोला, क्योंकि उस देश के अन्दर खुद के पहरेदार नहीं थे या थे तो सच्चे पहरेदार नहीं थे.
वहाँ के देश की भूमि भी की मातृभूमि होगी, फिर इज्जत कैसे लुट गई? क्योंकि वहां के लोग भी यही पूछने में रह गए, 'मैं क्यों पहरेदार बनूँ?
'हरित वीर वाहिनी' एक शक्ति है, जिसमें हम- आप मिलकर एक हो रहे हैं, एकीकरण हो रहा है.

> **जबकि होना तो ये था कि समाजशास्त्रियों को किताबों में लिखना था कि घर का आरम्भ बस घर से होता है, इसके बाद तो सिर्फ उसका ही विस्तार है, कहीं कोई अलग घर नहीं है, यह तो एक व्यवस्था मात्र है, जिसे स्वीकार करना है, चिपके नहीं रहना है।**
> **काश यह बताने में, समझाने में वह सफल हुए होते कि हम सभी वृहद् परिवार के एक कनिष्ठ कक्ष में चिंतन कर रहे अवयव मात्र हैं।**

जब हम शक्ति होते हैं तब हम कुछ करते हैं. कोई प्रश्न नहीं होता है. बस हमें वही शक्ति बनना है, जहाँ काम करना आसान हो. जब शक्ति होंगे तब लोग हमें रोकेंगे नहीं हमारे साथ होंगे, एक- दूसरे की ताकत बनेंगे, तब आप अपनी माँ को अनाथ नहीं छोड़ेंगे.
माँ की रक्षा बनने वाली शक्ति पर सवाल नहीं, साथ खड़े होंगे, क्योंकि वहां सभी के अन्तस् में माँ की रक्षा का जूनून होगा न कि सवाल।हम क्यों जुड़ें?
हमें क्या मिलेगा?

यह सवाल कभी अपनी माँ से करना। 'माँ, हमें पैदा होते वक्त मारा क्यों नहीं, तुझे हमें बड़ा करने में इतनी जिन्दगी नहीं खपानी पड़ती और आज के सवाल से दुःखी नहीं होना पड़ता।'

क्या नहीं सुनना पड़ता हम हरित वीरों को.
माँ की रक्षा के लिए बन रही आर्मी ज्वाइन करने की बात पर कैसे कैसे सवाल झेलने पड़ते हैं. कई नये भाई- बहिन यह तक पूछते हैं, 'इसमें कुछ मिलने वाला है क्या?
हो तो बताओ, फिर तो हम भी शामिल हो जाएँ।' हालत यह है कि माँ के साथ भी बिज़नेस करने को तैयार हैं हम- आप. क्या कहूँ.

माँ की सेवा करना भी आज सवाल है. लानत है. गलती सवाल में नहीं है,
यह शिक्षा की तकनीकी कमी है. हमें दरवाजे बताये, घर की सीमाएँ, मन- मस्तिष्क में इतनी ज्यादा डाल दीं कि हम इससे आगे समझ को खोलने तैयार नहीं हैं.

हमारी हालत उस गधे की तरह है जिसको आप सिर्फ बाँधने की एक्टिंग भर कर दो, वह रात भर वहीं खड़ा रहता है, क्योंकि उसे लगता है, जो आपकी सोच का अहसास उसके अन्दर है. बस यही यथार्थ है। इसके आगे कुछ नहीं.

जबकि होना तो ये था कि समाजशास्त्रियों को किताबों में लिखना था कि घर का आरम्भ बस घर से होता है, इसके बाद तो सिर्फ उसका ही विस्तार है, कहीं कोई अलग घर नहीं है, यह तो एक व्यवस्था है, जिसको स्वीकार करना है, चिपके नहीं रहना है. काश यह बताने में, समझाने में वह सफल हुए होते कि हम सभी वृहद् परिवार के एक कनिष्ठ कक्ष में चिंतन कर रहे अवयव मात्र हैं.

आपको पता है, चेन्नई में औसतन 1400 मिलीमीटर वर्षा होती है, फिर भी वहाँ पानी की त्राहि त्राहि है। क्यों? क्योंकि वहां की सरकार पर दबाव बनाने वाला हरित वीर समूह नहीं है. वहाँ के लोग कोई गलत नहीं हैं पर उन्हें कोई दिशा देने वाला स्थापित संगठन नहीं है, जो हर वर्ष होने वाले वर्षा जल को थाम सके, ऐसा, सरकारों से ब्लू प्रिंट निकलवा सके.
बिहार में हर वर्ष बाढ़ आती है।
कौन जिम्मेदार है, कि सोचा ही नहीं गया कि इसका सुरक्षात्मक ढांचा कैसे बने?क्यों
कि वहाँ पर कोई प्रभावशाली संख्या में हरित वीर नहीं है.

अफ़सोस! ईश्वर न करे, यदि इसी सदी हम नहीं जागे तो बिहार झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, और पड़ोसी देश जो कभी हमारा पूर्वी बंगाल था. इसजमीनी अस्थिरता से अधिसंख्य हिस्से समुद्र में समा गए तो क्या करेंगे हम.
हम सब यह छोड़कर क्या कर रहे हैं? सिर्फ सवाल.

जब प्रेम होता है, तब हम सोचते हैं, उसके बारे में जिससे प्रेम होता है।
एक बार प्रेम उपजेगा तो लोग पोंगल की पूजा पर चिंतन करेंगे कि दक्षिण में सूर्य के साथ हरे वृक्ष की पूजा क्यों कर रहे हैं, गन्ने को इतना मान क्यों दे रहे हैं.
फिर जानेंगे, गन्ना सबसे ज्यादा सौर ऊर्जा को ले रहा है. हरे वृक्ष सौर ऊर्जा उठा रहे हैं, इसलिए हम पूजा कर रहे हैं। धर्म- आस्था समझ कर हम सीमित नहीं कर रहे होंगे, कि यह मैं नहीं कर सकता क्योंकि पूजा की इजाजत मेरा धर्म मेरी संस्कृति नहीं देती.
फिर कहूँगा, हमें तालीम कमजोर दी गई. पूजा का अर्थ सही से क्यों नहीं बताया कि पूजा का अर्थ होता है, 'सम्मानित करना'. बस! इससे ज्यादा कुछ नहीं. पर किसी ने नहीं बताया. नहीं तो सम्मान तो हम कर ही सकते थे.
काश ये परिभाषाएं हमारे शिक्षाविदों ने दी होतीं तो हम आज कहीं और होते. आपको लगता है कि विकास के सही तरीके विकसित किये जा सकते हैं, औद्योगिकीकरण के कई आयाम हो सकते हैं, जिन पर हम चल सकते हैं, पर हम नहीं चल रहे हैं।
पर्यावरण को तार तार कर रहे उद्योग, अनियोजित अंधाधुंध शहरीकरण की होड़, गाँव को मिटाने की जालसाजी रुक नहीं रही.
कौन जिम्मेदार? सरकार? देश? या हम, जो कहते हैं, 'हम हरित वीर क्यों बनें'?

मैं समझता हूँ, प्रश्न तो यह होना चाहिए- 'बताइए कैसे बनते हैं (हरित वीर), कैसे जुड़ें,
मुझे भी मेरी माँ से प्यार है, मुझे जोड़ो. हमें जागना ही होगा. हमें एक 'हरित वीर श्रृंखला' बनानी होगी, जो इस धरा को हाथ मिलाने भर से पाट सके। तब हम एक शक्ति होंगे, एक ताकत होंगे.

तब पर्यावरण की दुश्मन ताकत भी राह पर आ जाएगी. हम सभी एकीकरण की शक्ति, जो इंटीग्रेटेड फॉर्म (एकीकृत रूप) में होगी, बनेंगे, जिससे काम करना, कराना आसान होगा. तब हम पोंगल, छठ पूजा, कान्हा उत्सव में पर्यावरण का विज्ञान ढूंढ रहे होंगे न कि सवाल.
क्योंकि जब माँ से प्यार जगाने के बात होती है, तब हमारा कार्य सवाल नहीं, संभालना होता है.
गलत है, तो संभालो. सही है, तो बढाओ. सवाल सिर्फ रोक लगाते हैं, धीमा करते हैं.
माँ की सेवा में जुड़ना यदि सवाल है, तो आइये हम सभी मिलकर उत्तर बन जायें. यह संभाषण का विडियो यू ट्यूब चैनल ग्रीन डोनर पर उपलब्ध है.

Rajeev Gandhi Proudyogiki Vishwavidyalaya
Bhopal, Madhya Pradesh
"Accredited with 'A' grade by NAAC"
State Technological University of MP

RGPV at A Glance
▲ University Institute of Technology Bhopal, Jhabua, Shadol & Shivpuri
▲ 7 UTDs in Information Technology, Biotech, Pharmaceutical Science, Nano Technology Energy & Environment Technology, Architecture & MBA
▲ University dual degree integrated PG BE + M.Tech./ MBA
▲ University Polytechnic College.
▲ 147 College of Engineering including an RGPV UIT's
▲ 05 College of Architecture.
▲ 115 College of Pharmacy.
▲ 30 MCA Institutions & 1 MBA
▲ 252 Polytechnics with 33 Programms.
▲ 44 UG Programs (BE + Pharmacy & Architecture).
▲ 89 PG program in Engineering Technology, Pharmacy and Architecture.

RGPV Initiatives
❖ Best Project award for each stream of Engineering and Pharmacy
❖ Best Paper Award.
❖ Venture Capital Fund for scholarship
❖ Corporate School.
❖ Chancellor's Scholarship-300 nos apprx.
❖ Research & Innovation Fund.
❖ SC/ST Scholarship.
❖ Regional Centres
❖ Research Scholarship for PhD.

Airport Road, Gandhi Nagar,Bhopal-462033, Web.: www.rgpv.ac.in / Email:info@rgtu.net
Phone:0755-2734913, 2742001, Fax : 0755-2742006, 2472002

CRISP ISO 9001 : 2015
नि:शुल्क
बेरोजगार युवाओं हेतु रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण
अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, सामान्य वर्ग की महिलायों एवं आर्थिक रूप से कमजोर बेरोजगार युवाओं हेतु (दमोह, गुना, राजगढ़, खंडवा, बड़वानी, सिंगरोली, छतरपुर के युवाओं को प्राथमिकता दी जायेगी)
▪ दो पहिया वाहनों की मरम्मत एवं रखरखाव (ई – स्कूटर)
▪ चार पहिया वाहनों की मरम्मत एवं रखरखाव (ई – व्हीकल)
▪ ट्रेक्टर की मरम्मत एवं रखरखाव
▪ मशीनिस्ट (सीएनसी ऑपरेटर)
▪ डाटा एन्ट्री ऑपरेटर
▪ इलेक्ट्रीशियन
उपरोक्त कार्यक्रमों हेतु न्यूनतम योग्यता 8वीं पास
सम्पर्क: 9425672561, 9893404034, 9425015218
प्रशिक्षण कार्यक्रम 3 माह का है एवं भोपाल मे आयोजित किया जावेगा। रहने एवं खाने की व्यवस्था संस्था द्वारा नि:शुल्क की जावेगी। प्रशिक्षण उपरांत रोजगार प्राप्त करने में सहायता प्रदान की जावेगी। केवल वही प्रशिक्षणार्थी आवेदन करें जो रोज़गार हेतु भारतवर्ष में कंही भी जाने हेतु तैयार हों।
लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार हेतु दिनांक 4 से 7 अक्टूबर, 2021 के मध्य प्रात: 10 बजे से 3 बजे तक नीचे दिए गए पते पर उपस्थित हों।
सेन्टर फॉर रिसर्च एण्ड इण्डस्ट्रीयल स्टाफ परफॉरमेंस
श्यामला हिल्स, मानस भवन के सामने, भोपाल – 462002, फोन नं. 0755-2661677
अधिक जानकारी के लिये www.crispindia.com देखे एवं https://forms.gle/LBUrc5UrKy5mMHzc7 लिंक पर शीघ्र ही रजिस्टर करें।